(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दुलकर सलमान ने हे ...8

रविवार, 16 जनवरी 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 28 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

सभी वर्ग को साधने की कोशिश में भाजपा, पहली सूची में 44 ओबीसी और 19 एससी उम्मीदवार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की पहली सूची आ गई है। आज भारतीय जनता पार्टी ने पहले और दूसरे चरण के 107 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही भाजपा ने इस बात की भी घोषणा कर दी है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगामी विधानसभा चुनाव में गोरखपुर शहर से चुनाव लड़ेंगे जबकि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सिराथू से चुनावी मैदान में उतरेंगे। गोरखपुर में छठवें चरण के तहत तीन मार्च को जबकि सिराथू में पांचवें चरण के तहत 27 फरवरी को मतदान होना है। आज विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने जिन 160 सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की है। उसमें सभी वर्ग को साधने की कोशिश साफ तौर पर दिखाई दे रही है।

भाजपा इस बार के भी विधानसभा चुनाव में ओबीसी उम्मीदवारों के सहारे ही उतरने की तैयारी कर रही है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में ओबीसी वोट किसी भी पार्टी के लिए काफी मायने रखती है। भारतीय जनता पार्टी की 107 नामों वाली पहली सूची में 44 ओबीसी हैं जबकि 19 एससी वर्ग से हैं। 107 उम्मीदवारों में 10 महिलाओं के भी नाम शामिल हैं। पार्टी ने 20 विधायकों के टिकट भी काटे हैं जबकि 21 नए चेहरे को चुनावी मैदान में उतारा है। 107 सीटों में से 83 पर भाजपा के सीटिंग विधायक थे लेकिन पार्टी ने सिर्फ 63 विधायकों को

है। पार्टी ने जिन 107 सीटों पर उनमें से 105 सीटों पर पहले चरण में मतदान होना है। पार्टी ने पहले चरण की एक और दूसरे चरण की आठ सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की। जिन सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं उसका फैसला एक–दो दिनों में हो जाएगा

पहले और दूसरे चरण के लिए घोषित उम्मीदवारों में मथुरा से ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, शाहजहांपुर से राज्य के वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, चीनी उद्योग मंत्री सुरेश राणा, आगरा ग्रामीण से उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल बेबी रानी मौर्य, नोएडा से पंकज सिंह, सरधना से संगीत सोम प्रमुख नाम हैं। प्रधान ने कहा कि पार्टी ने 21 नए चेहरों को टिकट दिया है, जिनमें युवा, महिला और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले प्रबुद्ध लोग शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के अन्य सदस्यों ने बृहस्पतिवार को हुई एक बैठक में अब तक घोषित नामों पर मुहर लगाई थी। योगी आदित्यनाथ को अयोध्या सीट से चुनाव लड़ाने को लेकर जोर–शोर से चर्चा थी और पार्टी में इस पर चर्चा भी हुई थी लेकिन अंतिम फैसला पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) पर छोड़ दिया गया था।

सेना प्रमुख बोले– आतंकवादियों को पनाह देने की अपनी आदत से लाचार है पाकिस्तान, चीन के साथ गतिरोध पर कही यह बात

सेना दिवस परेड के मौके पर सेना प्रमुख जनरल एमएम नवरणे ने पिछले साल को सेना के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा कि महिलाओं को समान अवसर देने के लिए सेना ने बड़ा कदम उठाया है। अब वे एक उच्च पद पर आ सकती हैं और बड़ी जिम्मेदारियां ले सकती हैं। इस साल एनडीए में महिला कैडेट्स भी शामिल होंगी और आर्मी पायलट के तौर पर महिला पायलट की मंजूरी शुरू हो जाएगी। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध को लेकर नवरणे ने कहा कि स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए हाल में भारत–चीन के बीच 14वें दौर की सैन्य–स्तरीय वार्ता हुई। जनरल नरवणे ने कहा विभिन्न स्तरों पर संयुक्त प्रयासों से कई क्षेत्रों से सेनाएं पीछे हटी हैं, जो एक रचनात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि हमारा संदेश स्पष्ट है कि भारतीय सेना देश की सीमाओं पर यथास्थिति को एकतरफा बदलने के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देगी। सेना प्रमुख ने कहा कि पिछले साल चीन के तनाव के कारण सेना के लिए चुनौतीपूर्ण था और हाल ही में स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए 14वीं बैठक हुई। कई बिंदुओं पर विघटन था। नरवणे ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देने की अपनी आदत से लाचार है। सीमा पार प्रशिक्षण शिविरों में तकरीबन 300–400 आतंकवादी घुसपैठ करने के अवसर की तलाश में बैठे हैं। सरहद पार से ड्रोन द्वारा हथियारों की तस्करी की कोशिश भी जारी है।

जम्मू-कश्मीर में सेना दिवस पर ध्रुव युद्ध स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित किया गया

जम्मू। जम्मू–कश्मीर के उधमपुर में उत्तरी कमान मुख्यालय में सेना दिवस कार्यक्रम के तहत ध्रुव युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया गया। एक रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल वाई के जोशी ने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए पुष्पचक्र अर्पित किया। लेफ्टिनेंट जनरल के एम करियप्पा के इस दिन 1949 में अंतिम ब्रिटिश कमांडर–इन–चीफ जनरल सर फ्रांसिस बुचर के स्थान पर भारतीय सेना के पहले कमांडर–इन–चीफ के तौर पर पदभार ग्रहण करने की स्मृति में हर साल सेना दिवस मनाया जाता है।

बीजेपी नेताओं के लगातार पार्टी छोड़ने के बाद बीजेपी ने बनाया ये काउंटर प्लान

बीते चीन–चार दिनों से उत्तर प्रदेश से एक के बाद एक इस्तीफे की खबर आ रही है। इस्तीफा देने वाले ज्यादातर नेता पिछड़ी जातियों से हैं। ऐन चुनाव से पहले उनका एक साथ बीजेपी को छोड़कर समाजवादी पार्टी की तरफ जाना जाहिर तौर पर योगी सरकार के लिए एक बड़ा झटका है। वो बीजेपी जो लगातार सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास की बात करती रही उस बीजेपी से एक खास तबके के लोग ये इल्जाम लगाते हुए निकल जाएं कि पार्टी में कोई पिछड़ों, दलितों और वंचितों की बात कोई सुनता नहीं है। ऐसे में अब ओबीसी समाज को साथ लाने के लिए बीजेपी अपने काउंटर प्लान को लेकर एक्टिव हो गई है। ओबीसी

विधायकों के पलायन से हो रहे डैमेज को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी ओबीसी मोर्चा को दी गई है। ओबीसी मोर्चा को दी गई जिम्मेदारीः बीजेपी के ओबीसी मोर्चा ने इसके लिए एक खास तरह की रणनीति बनाई है। मोर्चा की तरफ से सोशल मीडिया और छोटे ग्रप्स के जरिये बीजेपी के विधायकों के पार्टी छोड़ने के पीछे की मंशा बता रहे हैं। जो पार्टी छोड़कर जा रहे हैं वो पिछड़े समाज के लिए कुछ करने के लिए नहीं बल्कि अपने पर्सनल एजेंडे के तहत जा रहे हैं। उनका पर्सनल एजेंडा है जिसके तहत वो बीजेपी में शोषण की बात कर रहे हैं। यूपी का जातिय समीकरणः सवर्ण– 17–19 % दलित– 21% मुस्लिम– 19% ओबीसी– 42%: केशव मौर्य को आगे करेगी : पिछड़े समुदाय से संबंधित नेताओं के पार्टी छोड़ सपा की ओर रुख किए जाने के बाद माहौल को दुरुस्त करने के लिए बीजेपी ने गैर–यादव ओबीसी नेता के तौर पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, अपना दल (एस) की अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद जैसे नेताओं को आगे करके मैदान में मोर्चा संभालने की रणनीति बनाई है। दिल्ली में बीजेपी कोर कमेटी की बैठक के बाद केशव प्रसाद मौर्य ही पत्रकारों को संबोधित करने के लिए आगे आए थे। स्वतंत्र देव सिंह ने ट्विटर पर चलाया अभियान : उत्तर प्रदेश के योगी मंत्रिमंडल की बात करें तो 23 मंत्री पिछड़ी जातियों से आते हैं। इसमें जाट, सैनी, कुशवाहा, यादव, राजभर, बिंद हैं। ये सभी मंत्री अलग–अलग इलाकों से आते हैं। जबकि अगर दलित मंत्रियों की बात की जाए तो इनकी संख्या भी अच्छी–खासी है। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह दोनों ओबीसी समुदाय से आते हैं। स्वतंत्र देव सिंह ने तो ट्विटर पर ये अभियान भी छेड़ रखा है कि उनकी सरकार ने ओबीसी को क्या और कितना दिया ।

कांग्रेस ने उम्मीदवारों की पहली सूची की जारी, सीएम चन्नी चमकौर साहिब से तो सिद्धू अमृतसर पूर्व सीट से लड़ेंगे चुनाव

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में मुख्यमंत्री चरणजीत

सिंह चन्नी समेत 86 उम्मीदवारों के नाम शामिल है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री चन्नी को चमकौर साहिब एससी से अपना उम्मीदवार बनाया है। जबकि प्रदेशाध्यक्ष अमृतसर पूर्व से जुड़ाव लड़ेंगे। आपको बता दें कि कांग्रेस ने प्रताप सिंह बाजवा को कादियान से, गायक सिद्धू मूसेवाला को मानसा से और फिल्म अभिनेता सोनू सूद की बहन मालविका सूद को मोगा से टिकट दिया है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रसार को देखते हुए कांग्रेस ने टिकट बंटवारे के संबंध में एक वर्चुअल बैठक बुलाई थी। जिसमें उम्मीदवारों को लेकर मंथन हुआ और फिर तय नामों को केंद्रीय चुनाव समिति के समक्ष भेजा गया। इस बैठक में अजय माकन, पंजाब पार्टी प्रभारी हरीश चौधरी, मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, प्रदेशाध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू और कैंपेन कमेटी के चेयरमैन सुनील जाखड़ समेत कई पदाधिकारी शामिल रहे। जिन्होंने 86 उम्मीवारों के विषय पर गहन चर्चा की और फिर नामों को केंद्रीय चुनाव समिति को भेजा गया।

अखिलेश का योगी पर तंज, जनता के भेजने से पहले ही भाजपा ने उन्हें गोरखपुर भेज दिया

उत्तर प्रदेश चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टियों के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर लगातार चल रहा है। इसी कड़ी में आज भाजपा की पहली सूची आ गई। भाजपा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गोरखपुर शहर से उम्मीदवार बताया है। इसी को लेकर अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री पर तंज कसा है। अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी को अब गोरखपुर में ही रहना पड़ेगा। भाजपा ने पहले ही मुख्यमंत्री योगी को उनके घर गोरखपुर भेज दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि कभी कहते थे मथुरा से लड़ेंगे, कभी अयोध्या से तो कभी प्रयागराज से लड़ने की बात करते थे। मुझे इस बात की खुशी है कि ठश्रच ने उन्हें (योगी आदित्यनाथ) अपने

घर भेज दिया। अब मुझे लगता है कि गोरखपुर में ही उन्हें रहना पड़ेगा अब वहां से वापस आने की जरूरत नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि जनता अपना मन बना चुकी है। इस बार समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। समाजवादी गठबंधन के साथ 80 फीसदी जनता है। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि आप भाजपा का कोई नेता समाजवादी पार्टी में शामिल नहीं होगा। अखिलेश यादव ने दावा किया कि हम पॉजिटिव पॉलिटिक्स करते हैं नेगेटिव नहीं करते हैं। अखिलेश यादव ने दावा किया कि जल्द ही उनकी पार्टी का मैनिफेस्टो आएगा। उन्होंने कहा कि हमारा मेनिफेस्टो प्रोग्रेसिव होगा। बीजेपी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी हिट विकेट हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश हर वर्ग के लोगों को जोड़ने की है।हमने अपनी पार्टी की कई सीटों पर टिकटों का त्याग करके गठबंधन किया है। अखिलेश ने दावा किया कि गोरखपुर की सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी जीतेगी। त्याग करके हमने गठबंधन किया है। बिजली को लेकर अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जबरदस्त तरीके से प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जितने भी बिजली कारखाने समाजवादी पार्टी की सरकार में बन रहे थे वह अभी भी पूरे नहीं हुए हैं। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने अपने कार्यकर्ताओं से कोविड–19 प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए कहा। भीम आर्मी से गठबंधन पर उन्होंने कहा कि समजवादी पार्टी से उन्होंने (भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद) जो भी बात की मैंने उनकी बात मानी और रामपुर मनिहरन और गाजियाबाद वाली सीटें उनको दी। उन्होंने किसी से फोन पर बात करने के बाद मुझको बताया कि वह चुनाव साथ में नहीं लड़ सकते।

जिस वकील ने आजम खान को भिजवाया जेल, उसी को भाजपा ने रामपुर से बनाया उम्मीदवार

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की पहली सूची आ गई है। भाजपा ने अपनी पहली सूची में 107 नामों का ऐलान किए है। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में धर्मेंद्र प्रधान और पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की। इसी कड़ी में इस बात की भी खबर मिली कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर शहर से चुनावी मैदान में उतरेंगे। जिन 107 सीटों के लिए भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है उनमें 20 वर्तमान विधायकों की छुट्टी कर दी गई है। पार्टी ने सिर्फ 63 सीटिंग विधायक को ही टिकट दिए हैं। भाजपा ने रामपुर से आकाश सक्सेना को टिकट दिया है। आपको बता दें कि रामपुर आजम खान के दबदबे वाला क्षेत्र है। आकाश सक्सेना ही वो शख्स हैं जिन्होंने आजम खान की नाक में दम कर रखा है। दरअसल, आकाश सक्सेना पेशे से वकील हैं। इतना ही नहीं ,आकाश सक्सेना ही वह वकील है जिन्होंने आजम खान और उनके परिवार के खिलाफ कई मुकदमे किए हैं। आकाश सक्सेना ने आजम खान के दोहरे पासपोर्ट, आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र मामले को उठाया था और इसी मामले में आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्लाह आजम जेल में बंद है।

राष्ट्रीय मुस्लिम मंच का दावा, बीजेपी के राज में सबसे सुरक्षित और खुश हैं मुसलमान

आरएसएस की मुस्लिम शाखा ने शुक्रवार को अल्पसंख्यक समुदाय से पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा शासन में मुसलमान ष्सबसे सुरक्षित और खुशष हैं, जबकि कांग्रेस, सपा और बसपा उन्हें । वोट बैंक के तौर पर ही इस्तेमाल करती है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने समुदाय के कल्याण के लिए केंद्र और राज्यों में भाजपा सरकारों द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं को सूचीबद्ध किया और कहा कि पार्टी देश में मुसलमानों की ष्सबसे बड़ी शुभचिंतकष है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सहित विपक्षी दलों ने केवल मुसलमानों को अपना वोट बैंक माना है और सत्ता में आने के बाद, उन्होंने समुदाय के सदस्यों को गरीबी, अशिक्षा, पिछड़ापन और ष्अत्याचार जैसे अत्याचारष दिए।

अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के बीच बांटे जाएंगे पर्चेः संगठन के राष्ट्रीय संयोजक शाहिद सईद ने बताया कि एमआरएम का शनिवेदन पत्रश पर्चे के रूप में प्रकाशित हुआ है और इसे चुनाव वाले राज्यों में वितरित करने के लिए यहां एक बैठक में (इसे) जारी किया गया, मणिपुर और पंजाब में भाजपा के

जिसकी अध्यक्षता इसके (डत्ड के) संस्थापक और मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार ने की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, लिए वोट मांगने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के बीच पर्चे बांटे जाएंगे।

बीजेपी सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्रः यह जिक्र किया गया, ''नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014 से अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण के लिए नयी रोशनी, नया सवेरा, नयी उड़ान, सीखो और कमाओ, उस्ताद और नयी मंजिल सहित 36 योजनाएं शुरू की हैं। संगठन ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को प्रधानमंत्री आवास योजना, मुद्रा योजना, जन धन योजना, उज्ज्वला योजना, अटल पेंशन योजना, स्टार्टअप इंडिया और मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई अन्य योजनाओं से भी लाभ हुआ है। बीजेपी मुसलमानों की सबसे बड़ी शुभचिंतकः एमआरएम ने दावा किया कि 2014 के बाद से मुसलमानों के खिलाफ सांप्रदायिक दंगों और अत्याचारों की घटनाओं में काफी कमी आयी है। उसने कहा, ''बीजेपी सरकार मुसलमानों की सबसे बड़ी शुभचिंतक है... चुनाव के दौरान कांग्रेस, सपा–बसपा के झांसे में न आएं। देश के मुसलमान भाजपा के शासन में सबसे सुरक्षित और खुश हैं और आगे भी रहेंगे। इसलिए सोच–समझकर वोट करें। जरा सी चूक परेशानी का कारण बन सकती है।

मतदान में बाधा डालने वाले शरारती तत्वों के विरूद्ध होगी कड़ी कार्रवाईः डीएम व एसएसपी

बहराइच। विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 अन्तर्गत मतदान केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाओं तथा कानून एवं शान्ति व्यवस्था का जायजा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी ने उप जिलाधिकारी कैसरगंज महेश कुमार कैथल व पुलिस क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार सिंह के साथ 08 बूथों वाले मतदान केन्द्र जय जवान–जय किसान इण्टर कालेज का निरीक्षण कर मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसके उपरान्त डीएम व एसएसपी ने फातिमा गर्ल्स इण्टर कालेज में जाकर छात्राओं से टीकाकरण के बारे में जानकारी प्राप्त की और बेटियों को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के दौरान शत–प्रतिशत मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने, भयमुक्त होकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने, मतदान के एवज में किसी प्रकार के लालच व प्रलोभन में न आने तथा सभी लक्षित वर्ग को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से डीएम व एसएसपी ने अन्य अधिकारियों, एसएसबी व पुलिस जवानों के साथ रूट मार्च भी किया। रूटमार्च के दौरान जिलाधिकारी डॉ. चन्द्र ने ध्वनि विस्तारक यन्त्र से इस बात का ऐलान किया किया मतदाताओं को डराने–धमकाने, प्रलोभन, शराब, पैसे का लालच देकर निर्वाचन की शुचिता को प्रभावित करने तथा निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया में बाधा डालने वालों से जिला प्रशासन पूरी सख्ती के साथ निपटेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि आयोग के निर्देश पर विभिन्न स्तरों पर निगरानी दलों का गठन किया गया है जो ऐसे लोगों पर सतर्क दृष्टि रखेंगे। डीएम डॉ. चन्द्र ने लोगों से अपील की कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए लोकतन्त्र के महापर्व निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। यदि कोई व्यक्ति निष्पक्ष मतदान में बाधा उत्पन्न करता है उसकी शिकायत जिला प्रशासन से करें, ऐसे लोगों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। रूटमार्च के दौरान जिलाधिकारी डॉ. चन्द्र ने लोगों विशेषकर 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के किशोर–किशोरियों से टीकाकरण के बारे में जानकारी प्राप्त कर उन्हें टीकाकरण के लिए प्रेरित किया तथा प्रभारी चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि किशोर–किशोरियों के टीकाकरण के लिए शिविर लगायें। इससे पूर्व डीएम व एसएसपी ने थाना कैसरगंज का निरीक्षण कर विण्धानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 को स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु की गयी तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। डीएम व एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को बूस्टर डोज के लिए प्रेरित करने के साथ–साथ कहा कि थाने पर आने वाले फरियादियो तथा क्षेत्र भ्रमण के दौरान भी सम्पर्क में आने वाले लोगों को भी टीकाकरण के लिए प्रेरित करें।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया कस्बा जरवल क्षेत्र में रूट मार्च

बहराइच।आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 अन्तर्गत मतदान केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाओं तथा कानून एवं शान्ति व्यवस्था का जायजा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी ने उप जिलाधिकारी कैसरगंज महेश कुमार कैथल व पुलिस क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार सिंह के साथ 8 बूथों वाले मतदान केन्द्र जय जवान–जय किसान इण्टर कालेज का निरीक्षण कर मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के दौरान शत–प्रतिशत मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने, भयमुक्त होकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने, मतदान के एवज में किसी प्रकार के लालच व प्रलोभन में न आने तथा सभी लक्षित वर्ग को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से डीएम व एसएसपी ने अन्य अधिकारियों, एसएसबी व पुलिस जवानों के साथ रूट मार्च भी किया। रूटमार्च के दौरान जिलाधिकारी डॉ. चन्द्र ने ध्वनि विस्तारक यन्त्र से इस बात का ऐलान किया किया मतदाताओं को डराने–धमकाने, प्रलोभन, शराब, पैसे का लालच देकर निर्वाचन की शुचिता को प्रभावित करने तथा निष्पक्ष निर्वाचन प्रक्रिया में बाधा डालने वालों से जिला प्रशासन पूरी सख्ती के साथ निपटेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि आयोग के निर्देश पर विभिन्न स्तरों पर निगरानी दलों का गठन किया गया है जो ऐसे लोगों पर सतर्क दृष्टि रखेंगे। डीएम डॉ. चन्द्र ने लोगों से अपील की कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए लोकतन्त्र के महापर्व निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। यदि कोई व्यक्ति निष्पक्ष मतदान में बाधा उत्पन्न करता है उसकी शिकायत जिला प्रशासन से करें, ऐसे लोगों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

संदेहास्पद लेन–देन पर कड़ी नजर रखेंगे सभी बैंक व डाकघर शाखाएं

बहराइच। जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 अन्तर्गत निर्वाचन प्रक्रिया की शुद्धता को बनाए रखने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग की ओर से व्यवस्था दी गयी है कि चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा स्वयं अपने या अपने निर्वाचन एजेण्ट के साथ संयुक्त रूप से एक खाता खुलवाया जायेगा। अभ्यर्थी के सभी निर्वाचन व्यय केवल इसी खाते से किये जायेंगे। अभ्यर्थी अपनी सुविधा के अनुसार यह खाता किसी भी को–आपरेटिव बैंकों, डाकघरों या किसी भी अन्य बैंकों में खोल सकते हैं। लीड बैंक प्रबन्धक व डाक अधीक्षक को निर्देश दिया गया है कि अभ्यर्थियों का खाता खुलवाये जाने में अपेक्षित सहयोग प्रदान किया जाय।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. चन्द्र ने यह भी बताया कि लीड बैंक प्रबन्धक व डाक अधीक्षक को यह भी निर्देश दिया गया है कि सभी बैंक व डाकघर निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी भी व्यक्ति के बैंक खाते से नकद की प्रतिदिन संदेहास्पद निकासी पर भी नजर रखते हुए संदेहास्पद लेन–देन की जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय, बहराइच को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायेंगे।

जिले के सभी डाकघर व बैंक शाखाओं को निर्देश दिया गया है कि असामान्य तथा संदेहास्पद नकद निकासी या निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान 10 लाख से अधिक की राशि बैंकध डाकघर में जमा करवाना जबकि पिछले दो माह के दौरान इस प्रकार की जमा व निकासी न की गयी हो या निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान नकदी के बिना किसी पूर्व स्थानान्तरण के जिलाध निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न व्यक्तियों के बैंकध्डाकघर खाते में एक ही बैंकध्डाकघर खाते से आरटीजीएस द्वारा राशि का असामान्य हस्तान्तरण या मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध अभ्यर्थियों द्वारा दाखिल हलफनामे में उल्लिखित अभ्यर्थियों को, उनके पतिध्पत्नी या उनके आश्रितों के बैंकध्डाकघर खाते से 01 लाख से अधिक की नकदी की जमा–निकासी या निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान राजनैतिक दल के खाते में 01 लाख से अधिक नकदी की जमा या नकदी की निकासी अथवा अन्य कोई सन्देहास्पद नकदी का लेन–देन जिसका निर्वाचको को रिश्वत देने में प्रयोग किया गया हो तो ऐसे मामलों की जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय को अनिवार्य रूप स उपलब्ध करायी जाय।

इसके अलावा सभी डाकघर व बैंकों को यह भी निर्देश दिया गया है कि यदि नकदी की बड़ी राशि की संदेहास्पद प्रकार की निकासी का कोई मामला सामने आता है तो उस बड़ी राशि जो कि 10 लाख रूपये से अधिक होगी, के बारे में आयकर विभाग के नोडल अधिकारी (महानिदेशक आयकर अन्वेषण) के कार्यालय या सहायक निदेशकध्उप निदेशक, जिला प्रभारी आयकर को आयकर नियमों के अन्तर्गत आवश्यक कार्यवाही करने के लिए उपलब्ध करायेंगे तथा जिला निर्वाचन कार्यालय को भी सूचित करेंगे।

ऑनलाइन शॉपिंग में ठगी का शिकार युवक के खाते से,सवा लाख उडाए गये

करनैलगंज,गोंडा। तहसील क्षेत्र का एक युवक ऑनलाइन शॉपिंग में ठगी का शिकार हो गया। उसके खाते से करीब सवा लाख रुपये निकल गए। युवक ने एसपी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। कटरा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम लखनापुर के मजरा भिम्भापुरवा निवासी शिव प्रकाश सिंह पुत्र कालका प्रसाद की ओर से पुलिस अधीक्षक को दिये गए शिकायती पत्र में कहा है कि उसने अमेजॉन कंपनी से एक लाइट बुक की थी। विगत 8 जनवरी 22 को दिन में करीब 11 बजे अमेजॉन कंपनी के टोल फ्री नम्बर पर बात की लेकिन बात नहीं हो सकी और कुछ ही देर बाद एक अन्य नंबर से फोन आया। जिस पर उनके ऑर्डर के बारे में जानकारी माँगी गयी। उक्त कंपनी का कर्मचारी समझकर उसने कुछ जानकारी उसे दे दी। जिसके बाद उसके खाते से 8 व 9 तारीख के बीच 1 लाख 25 हजार 354 रुपये निकल गये।

व्यूटीशियन पूजा कौशल ने बेस्ट मेकअप आर्टिस्ट का अवार्ड हासिल किया

करनैलगंज,गोंडा। करनैलगंज तहसील क्षेत्र के परसपुर की व्यूटीशियन पूजा कौशल ने बेस्ट मेकअप आर्टिस्ट का अवार्ड हासिल किया है। परसपुर क्षेत्र की निवासिनी पूजा कौशल को लखनऊ के शेल्टर होटल में आयोजित व्यूटी सेमिनार एंव अवॉर्ड फंक्शन में वेस्ट मेकअप आर्टिस्ट के खिताब से नवाजा गया है। पूजा कौशल ने बताया इस सेमिनार में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आईं व्यूटी पार्लर संचालिका महिलाओं ने हिस्सा लिया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बॉलीवुड व टीवी के मशहूर कलाकार सारा खान भी शामिल हुई। सेमिनार में पांच दर्जन व्यूटीशियन महिलाओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में जिले के नगर पंचायत परसपुर की पूजा कौशल ने वेस्ट मेकअप आर्टिस्ट का पुरस्कार जीता है। क्षेत्रीय लोगों ने पूजा की इस उपलब्धि पर प्रशंसा व्यक्त की है।

उपखंड कार्यालय में उधारी के लिपिक से चलाया जा रहा काम

करनैलगंज,गोंडा। बिजली विभाग के उपखंड कार्यालय में उधारी के लिपिक से काम चलाया जा रहा। यहां नौ माह से कार्यालय लिपिक की कुर्सी खाली है। जिससे प्रत्येक कार्य मे समस्या उतपन्न हो रही है। मगर सब कुछ जान कर भी जिम्मेदार मौन हैं। प्रकरण कार्यालय उपखंड अधिकारी विद्युत वितरण उपखंड प्रथम करनैलगंज से जुड़ा है। बीते अप्रैल माह में यहां तैनात लिपिक देवेंद्र सिंह कोरोना की चपेट में आ गये थे। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। तब से यहां किसी दूसरे लिपिक की तैनाती नही की गई। जिससे इस कार्यालय के मुख्य लिपिक की कुर्सी खाली है और कार्यालय का लिपिकीय कार्य भी बाधित है। उपखंड अधिकारी करनैलगंज सुरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि बीते अप्रैल माह में लिपिक देवेंद्र सिंह की मौत हो गई थी। तब से आज तक कार्यालय में किसी की तैनाती नही हो सकी है। उन्होंने बताया कि डिवीजन के लिपिक को कार्य एलाट करके कराया जा रहा है।

सूचना कर्मी को मातृ शोक,स्टाफ ने दी श्रद्धांजलि

गोण्डा।जिला सूचना कार्यालय गोंडा में कार्यरत प्रचार सहायक, सुशील कुमार के माता जी का आज पूर्वाह्न में आकस्मिक निधन हो जाने पर मंडलीय सूचना कार्यालय गोण्डा के सभी अधिकारी व कर्मचारियों ने 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घडीं की असह्य वेदना को सहन करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना भी की गयी। श्रद्धांजलि सभा में उपनिदेशक सूचना डॉ0 राजेंद्र यादव,अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारी अमरेश कुमार व लेखाकार शिवशंकर, कंप्यूटर ऑपरेटर राजेश कुमार द्विवेदी, वाहन चालक, लीलाधर उपाध्याय (उर्फ मन्नू), सूचना कर्मी विरेंद्र कुमार, बाबूलाल आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्र के विकास में युवाओं की भूमिका विषय पर भाषण प्रतियोगिता संपन्न

गोण्डा।लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों के सामूहिक प्रयास से प्राचार्य प्रोफेसर आर के पांडे के निर्देशन में युवा महोत्सव के अवसर पर ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता श्राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका शविषय पर आयोजित की गई ।भाषण प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं देश के विकास में युवाओं के विभिन्न दायित्व का बोध कराते हुए आज के परिवेश में युवाओं से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर भी अपना विचार, चिंतन साझा किया। भाषण प्रतियोगिता में शांभवी तिवारी, सोनी चतुर्वेदी , सौम्या मिश्रा ,मनीष कुमार शर्मा ,विनय कुमार, राधा यादव ,साधना सिंह, श्रेया सहित अन्य प्रतिभागियों का उद्बोधन सराहनीय रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ आर के पांडे ने युवाओं के अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानने एवं उसे एक दिशा देने में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला उन्होंने यह भी कहा विवेकानंद जी कोई व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार हैं, एक चिंतन है जो व्यक्ति के शारीरिक ,मानसिक, आध्यात्मिक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ शिव शरण शुक्ला ने स्वागत भाषण देते हुए स्वामी विवेकानंद के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम अधिकारी डॉ लोहांस कल्याणी मंच संचालन किया। कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार वर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम अधिकारी डॉ रेखा शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

ट्रेड मार्क एक्जामिनर बनकर बढ़ाया मान,नाम किया रोशन,सर से उठा पिता का साया तो बढ़ी जिम्मेदारी

गोण्डा ।कहते हैं की प्रतिभा किसी की मोहताज नही होती है। न ही सामाजिक परिवेश आड़े आता है और न ही आर्थिक स्थिति उसका रास्ता रोक पाती है। सफलता खुद उसका कदम चूमने को मजबूर हो जाती है और ऐसा कर दिखाया है जिले के मनकापुर ब्लाक के धुसवा खास गाँव के पवन कुमार सैनी ने जिसने यूपीएससी में 7वीं रैक हासिल की है। पवन सैनी ने मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में ट्रेड मार्क एक्जामिनर की जगह सुरक्षित की है और परिवार के साथ साथ गाँव का भी मान बढ़ाया है। 14 वर्ष पहले जब पवन ने इंटरमीडिएट की परीक्षा पास की और स्नातक की काउंसलिंग का लेटर आया तभी पिता को खो दिया और विषम परिस्थितियों में अपनी पढ़ाई पूरी की। शुरुआती पढ़ाई गोंडा से पूरी करने के बाद बीएससी, एलएलबी और एलएलएम की परीक्षा काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी से पूरी करने के बाद न्छ छम्ज–श्रत्थ की परीक्षा पास होने के बाद भी संघर्ष जारी रखा। पवन ने न्च्ै की परीक्षा पास कर 7वीं रैंक प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया है। पढ़ाई के दौरान पवन सैनी पर बाबा और माँ की जिम्मेदारी सम्हालनी थी और इसके बावजूद संघर्ष जारी रखा। पवन के बाबा भवानी प्रसाद ने बताया की शुरू से ही पढ़ाई को लेकर सजग था और कुछ कर गुजरने की चाहत थी और आज उसकी सफलता पर परिवार और गाँव को गर्व है। पवन की सफलता पर स्थानीय विधायक और सूबे के समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मिथिलेश त्रिपाठी, सतेंद्र शुक्ल, इन्द्रमणि त्रिपाठी और परिजनों ने बधाई दी है।

भारी संख्या में कौवों के मरने से ग्रामीणों में दहशत

मिल्कीपुर–अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के चितौरा गांव स्थित बाग एवं खेत में लगभग तीन दर्जन कौवों के मृत मिलने से मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। भारी संख्या में कौवों की मौत की सूचना पाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कौवों के शव को कब्जे में लेते हुए वन रेंज कार्यालय ले गए। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बड़ी संख्या में कौवो की मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक वन रेंज कुमारगंज अंतर्गत खंडासा थाना क्षेत्र के चितौरा गांव के ग्रामीण अपने खेत व बाग की ओर गए तो पेड़ो के नीचे तथा सरसों व गन्ने के खेतों में बड़ी संख्या में कौवे मृत पड़े देखा। ग्रामीणों ने कौवों के मरने की सूचना वन क्षेत्राधिकारी कुमारगंज आर पी सिहं को दी। जानकारी मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी श्री सिंह, बीट प्रभारी वन दरोगा हौसिला प्रसाद पाण्डेय, वनरक्षक दीपक शुक्ला की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृत पड़े कौवो को इकट्ठा करवा लिया और वन रेंज कार्यालय ले आए। सूचना पर पहुंचे पशु चिकित्साधिकारी खंडासा सूर्यपाल वर्मा द्वारा मृतक कौवो का पोस्टमार्टम किया गया। वन क्षेत्राधिकारी कुमारगंज आर पी सिंह ने बताया कि लगभग 35 कौवो की मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत किस कारण से हुई है, उसकी पुष्टि हो सकेगी। वहीं दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में कौवों के मरने की जानकारी के बाद समूचे क्षेत्र की ग्रामीणों में दहशत का माहौल छा गया है ग्रामीणों का कहना है कि कहीं कोई गंभीर बीमारी तो नहीं पैदा हो रही है, जो पक्षियों के बाद आमजन को भी अपना निशाना बना ले।

समारोह पूर्वक मना चाणक्य परिषद का स्थापना दिवस

ब्राह्मणों की एकजुटता पर बल देने पर जोर

अयोध्या। अखिल भारतीय चाणक्य परिषद का 28 वां स्थापना दिवस व खिचड़ी भोज का आयोजन दर्शन नगर स्थित सूर्य कुंड पर धूमधाम से मनाया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक राम अनुज तिवारी तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष राम नारायण शुक्ला ने भगवान परशुराम व आचार्य चाणक्य की फोटो पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित से किया । चाणक्य परिषद के स्थापना दिवस में ब्राह्मणों की एकजुटता पर बल देने पर जोर दिया गया। समाज के अधिकांश नेताओं ने ब्राह्मणों को आने वाले चुनाव में अपने जाति के प्रत्याशियों को जिताने पर बल दिया । पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन ने कहा क्या कारण है कि समाज की आबादी 17 प्रतिशत से अधिक होने के बाद भी आज हमारे समाज के विधायकों की संख्या दिन प्रतिदिन घटती जा रही है । समाज को एकजुट होने का समय आ गया है। साकेत महाविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष सुनील पाठक ने गोसाईगंज विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू प्रकरण को उठाते हुए कहा कि वह कौन सी शक्तियां हैं जो गोसाईगंज विधायक की जमानत नहीं होने दे रही हैं। जब एक ही प्रकरण में दो लोग जमानत पर बाहर हैं। समाज के लोगों को जागृत होने की तथा एक होने की बहुत आवश्यकता है। बसपा नेता करुणाकर पांडेय ने कहा कि ब्राह्मण कभी भी जातिवादी नहीं रहा। फिर भी यदि वह एक होने की बात करता है तो इसमें क्या बुराई है। स्वर्ण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पांडेय ने कहा ब्राह्मण ने हमेशा अन्य जातियों को दिशा दिखाने का कार्य किया है। इस अवसर पर कार्यक्रम के राष्ट्रीय संरक्षक राम अनुज तिवारी ने कहा अखिल भारतीय चाणक्य परिषद की स्थापना का उद्देश्य ब्राह्मणों को उनके गौरव का ज्ञान कराना तथा समाज में फैली हुई कुरीतियां को दूर करना है । कार्यक्रम को राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनारायण शुक्ला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सतीश पांडेय ,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजीनियर अवधेश मिश्र, भाजपा नेता गिरीश पति त्रिपाठी, राष्ट्रीय प्रवक्ता संजीव चतुर्वेदी ,अमरनाथ पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कांत पांडेय, विनय पांडेय , मधु पाठक , अनिल तिवारी, करन त्रिपाठी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जयप्रकाश तिवारी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष क्षीरेश्वर मिश्रा, राष्ट्रीय उप मंत्री राजेंद्र तिवारी, मंडल अध्यक्ष सचिन तिवारी, युवा जिलाध्यक्ष सुमित तिवारी, जिला अध्यक्ष राकेश पाठक ,पूर्व प्रधान अशोक पांडेय, जिला पंचायत सदस्य अंकित पांडेय, मानस तिवारी व अन्य लोगों ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग एकत्र रहे।

मां बगलामुखी को दी गई सवा करोड़ आहुति

अयोध्या। राष्ट्र कल्याण को मकर संक्रांति पर भगवती पीताम्बरा का आवाहन कर सवा करोड़ आहुति दी गई। शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन रामादल मुख्यालय पर हुई। जहां माता बगलामुखी को अमोघ महामन्त्र से यज्ञाहुति का श्रीगणेश किया गया। राष्ट्र कल्याण व सुख शांति को आयोजित कार्यक्रम के बाबत रामादल अध्यक्ष–यज्ञाचार्य पंडित कल्किराम ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के निमित्त 14 जनवरी 2014 से चल रहे धार्मिक महानुष्ठान को अनेकानेक चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना करते आज आठ वर्ष पूर्ण हुए हैं। कोरोना काल में मानव सेवा के उत्तरदायित्व का निर्वहन करने के साथ–साथ साधना का कर्म भी संचालित रहा है। कहा कि 5 जनवरी को पंजाब के फिरोजपुर में षडयन्त्र भी प्रधानमंत्री के साथ किया गया था। जिसका अब समूलनाश ही एकमात्र विकल्प है। दैवीय प्रेरणा से इसी संकल्प के साथ भगवती पीताम्बरा के शत्रु संहारक स्वरूप का ध्यान कर सवा करोड महामन्त्रों से यज्ञाहुति का शुभारम्भ किया गया है जो पूरे एक वर्ष तक समयबद्ध संपन्न कराया जाएगा।

प्रमुख सचिव ने मेडिकल कालेज का किया निरीक्षण

कोरोना मरीजों के उपचार के की गई तैयारियों की किया समीक्षा

अयोध्या। जिले के नोडल अधिकारी व प्रमुख सचिव समाज कल्याण हिमांशु कुमार ने जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। अधिकारियों के साथ बैठक कर कोरोना मरीजों के उपचार के लिए मेडिकल कालेज में की गई तैयारियों की समीक्षा की। प्रमुख सचिव ने समाज कल्याण हिमांशु कुमार ने राजर्षि दशरथ मेडिकल कालेज में स्थापित आक्सीजन प्लांट का निरीक्षण किया।

उन्होंने आक्सीजन प्लांट को हर समय सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पीकू वार्ड व कोरोना वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. विजय कुमार व सीएमएस डा. अरविन्द सिंह से दवाओं की स्थिति की जानकारी ली। अस्पताल में चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टाफ के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के बारे में जानकारी देते हुए डा. विजय कुमार ने बताया कि निरीक्षण में प्रमुख सचिव ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया साथ ही उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले लोगों को कोरोना गाइड लाइन का पूरी तरह से पालन कराया जाना चाहिए। निरीक्षण में सीडीओ अनीता यादव,प्रभारी सीएमओ डा. आरके सक्सेना, मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. विजय कुमार, सीएमएस डा. अरविन्द सिंह व अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने किया बबलू गुप्ता के सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शनिवार को जिले की पुलिस ने बब्लू गुप्ता के सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा किया है। चार दिन पहले ढेबरुआ थाना क्षेत्र के मटियार उर्फ भुतहवा गाँव में युवक की गला रेत कर हत्या कर दी गयी थी। गिरफ्तार आरोपी ने मीडिया को बताया कि उसने रॉकी हैण्डसम फिल्म देखकर बब्लू के कत्ल की योजना बनाई थी। आरोपी मृतक के बीच जमीन की खरीद फरोख्त को लेकर आये दिन विवाद होता था। आरोपी रिंकू चौधरी ने बब्लू को विश्वास में लेकर उसे नेपाल ले जाकर शराब पिलाई। फिर लौटते समय ढेबरुआ चौराहे से साथ में ही चाकू खरीदा और बची शराब पिलाने के लिए घटना स्थल पर ले गया जहां शराब पिलाने के बाद मफलर से गला कस कर चाकु से गला रेत दिया। आपको बताते चलें कि आरोपी रिंकू चौधरी मृतक बब्लू गुप्ता की जमीन बैनामा कराना चाहता था।जिसके एवज में उसने बब्लू को कुछ पैसे भुगतान किया था बाकी के पैसे की मांग बब्लू द्वारा हत्या रोपी से आये दिन कि जाती थी जिसको लेकर दोनों के बीच तूतू मैंमैं होता रहता था। जिससे आजिज आकर रिंकू ने बब्लू के हत्या की योजना बनाई और शराब पिलाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। वही पुलिस इस घटना के खुलासे से राहत महसूस कर रही है। और आगे की कार्यवाही में जुट गयी है। एसपी डा0 यशवीर सिंह ने बताया कि 11 जनवरी को ग्राम मटियार उर्फ भुतहवां थाना ढेबरूआ में बजरंगी उर्फ बबलू गुप्ता नाम का जो 32 वर्षीय युवक था उसकी गला काटकर किसी ने हत्या कर दी थी खेत में उसी घटना का आज अनावरण किया गया है। थाना ढेबरूआ पुलिस, एसओजी एवं सर्विलांस की टीम ने मिलकर इस घटना का अनावरण किया है और घटना में जो अभियुक्त था ओम प्रकाश उर्फ रिंकू चौधरी वो उसी गांव का रहने वाला है उसकी गिरफ्तारी की है जो आला कत्ल जिसमें उसने मर्डर किया है चाकू वह भी पुलिस ने बरामद कर लिया है और जो मृतक की मोटरसाइकिल थी वह भी पुलिस ने बरामद कर लिया है जो घटना का लक्ष्य था जिस कारण घटना की गई मृतक का मृतक ने जिसने मारा मर्डर करने वालों को एक जमीन बेची थी जिसका पैसा इसके ऊपर बकाया था मर्डर करने वाले अपराधी के ऊपर जिसने वो पैसा नहीं दिया मृतक को जब उसने मांगा तो इसी के तहत इसने योजना बनाई कि ताकि पैसा ना देना पड़े और उसकी गला काट कर हत्या कर दी गई। अभियुक्त ने बताया है कि वो मेरे साथ उठता बैठता था मैंने उस दिन ध्10000ध्– दिया और तभी मेरे दिमाग में योजना आई कि यह बार–बार पैसा मांगता है और इसको दारू पिलाकर आज इसका मर्डर करना है मुझे, तो उसी के क्रम में ध्10000ध्– पहले उसे दिया इसने फिर इसे अच्छे से शराब पिलाई फिर खेत में ले जाकर उसके साथ में ही चाकू मार्केट से ही खरीदा उसी के मोटरसाइकिल पर यह भी था और चाकू इसने खरीदा साथ में खेत में ले जाकर उसकी गला काटकर हत्या कर दिया।

खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। उसका बाजार के ग्राम पंचायत

केवटलिया में माता जी के मंदिर पर खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया सहभोज में हर साल की भांति इस बार भी खिचड़ी सहभोज का आयोजन हुआ और भारी संख्या में भक्त गण खिचड़ी सहभोज में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण की धर्मेंद्र पांडेय ने बताया की खिचड़ी सहभोज का कार्यक्रम विगत 4 वर्षो से किया जा रहा है और इस खिचड़ी सहभोज के कार्यक्रम में गोविंद पांडेय,प्रेम नारायण दूबे ,राजधर पाण्डेय, रामसुभग पाण्डेय, रमाकांत पाण्डेय, बृजकिशोर पाण्डेय, सुभाष यादव, शिवचंद यादव, रियाज, पंकज अग्रहरि, मनोज गुप्ता, हेमंत जायसवाल, पवन जायसवाल, पिंटू दूबे आदि लोग पहुंच कर प्रसाद ग्रहण की।

इटवा पुलिस के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिध्दार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डा0 यशवीर

सिंह के आदेश के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सुरेश चंद रावत के पर्यवेक्षण में व उप जिलाधिकारी इटवा अभिषेक पाण्डेय तथा क्षेत्राधिकारी इटवा रमेश चंद्र पांडे के नेतृत्व में व थाना अध्यक्ष इटवा पंकज कुमार पांडे द्वारा मय फोर्स के साथ इटवा चौराहे पर आदर्श आचार संहिता के दृष्टिगत तथा आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की चेकिंग किया गया तथा वर्तमान में चल रहे कोविड–19 के नियमों का पालन करने को भी बताया गया। वही कोरोना वायरस के मद्देनजर देखते हुए सभी लोगों को कोरोना नियमों का पालन करने की अपील की गई।

पशु संरक्षण गृह गाजेगड़हा बना पशुओं का कब्रगाह

दैनिक बुद्ध का संदेश

- अधमरे पशुओ को लगा दिया जा रहा है ठिकाने
- अगल बगल घूमने वाले कुत्तों का बना बूचड़खाना
- पशुओ का कंकाल पड़े हुए है बउंड्री के बाहर
- व्यवस्था के प्रति क्षेत्र के लोगों में आक्रोश

गोला/गोरखपुर। गोला तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा गाजेगड़हा में शासन द्वारा स्थापित पशु संरक्षण गृह की स्थिति अति दयनीय बन चुकी है। इस पशु संरक्षण गृह में प्रतिदिन दर्जनों पशुओं की मृत्यु हो रही है। कुछ तो अधमरे पशुओं को दफना दिया जा रहा है।कुछ पशु अगल बगल घूमनेवाले कुत्तों का आहार बन जा रहे है। पशुओं का कंकाल बॉउंड्री के बाहर बिखरे मिल रहे है । इस पशु संरक्षण गृह की अब्यवस्था से क्षेत्र के लोगों में असंतोष ब्याप्त है। विकास खण्ड गोला के ग्राम सभा गाजेगढ़ा में शासन द्वारा छुट्टे पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए पशु संरक्षण गृह की स्थापना किया गया है ।जो एक एन जी ओ के माध्यम से संचालित किया जाता है। स्थानीय प्रशासन सहित जिला प्रशासन के लोग बराबर निगरानी रखते हैं । सब कुछ के बाद यहां के प्रबंधन व्यवस्था की घोर लापरवाही के कारण प्रतिदिन दर्जनों पशु बिना मौत मर जा रहे है। सूत्रों का कहना है कि कुछ मरे पशुओं को दफना रहे है ।कुछ अधमरे पशुओं को भी दफना दिया जा रहा है।कुछ तो आवारा कुत्तों के आहार बन जा रहे है। इस संरक्षण गृह की हालत बद से बदतर हो चुकी है।पशु संरक्षण केंद्र पर पशुओं के मरने का सिलसिला देख क्षेत्र के लोग काफी आक्रोशित है। यहां की स्थानीय सुमन ने बताया कि संरक्षण गृह से इन दिनों इतनी बदबू आ रही है कि यहां रहना दुभर हो गया है। उन्होने यह भी कहा कि यदि कोई हमारा घर खरीद ले तो बेच कर हम यहां से चले जाएंगे। यही के लालचंद ने बतया कि बाबू यहां के सड़ांध से यहां रहना दुभर हो गया है। लेकिन क्या करें, रामानन्द यादव ने बताया कि यहां पर हर रोज दस से बारह पशु मर जाते हैं। गांव के ही उपेंद्र मौर्य, बबलू मौर्य, संदीप यादव मौसम यादव सहित अन्य लोगों ने इस दुर्बयवस्था पर घोर विरोध जताया है। जब इस बारे में एस डी एम गोला विनय कुमार पांडेय से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि चुनाव की ब्यवस्था को लेकर थोड़ी ब्यस्तता है। कल पहुच कर हम स्वयम् इस मामले को देखते है।

नगर पालिका अध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल ने किया समरसता भोज का आयोजन

सुंदरीकरण व जीर्णोद्वारतालाब में छोड़ा गयाकछुआ, मछली व बत्तख

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पुरानी नौगढ़ कस्बा के बमबम बाबा मंदिर तालाब परिसर में शनिवार को समरसता भोज का आयोजन हुआ। मकर संक्रांति पर प्रसाद के रूप में खिचड़ी परोसा गया। जल संरक्षण के लिए तालाब में कछुआ, मछली व बत्तख छोड़ा गया।नगर पालिका के अध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा हिदू धर्म में मकर संक्रांति का महत्व है। आज से सूर्य दक्षिण दिशा की ओर रूख करेंगे। मकरसंक्रांति पर भोज्य पदार्थ के रूप में खिचड़ी का सेवन करने की परंपरा है। खिचड़ी सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह समाज को एक डोर में बांधने का संदेश देता है। तालाब का सुंदरीकरण व जीर्णोद्वार करा दिया गया है। यहां पर बच्चे व बुजुर्ग आकर मनोरंजन कर सकते हैं। अधिवक्ता नीतीश पांडेय ने कहा मकरसंक्रांति पर सहभोज का आयोजन से समाज में सार्थक संदेश जाता है। सभासद अतहर हुसैन, अमित सिंह, सूरज, संतोष चौधरी, श्रवण, पंकज सिद्धार्थ, विकास पांडेय, मनीष जायसवाल, सिद्धार्थ गौतम, कैलाश त्रिपाठी, मुन्ना बजाज आदि मौजूद रहे।

लोटनघोघी नदी में उतराता मिला युवक का शव,हत्या की आंशका

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। कस्बे के पास से बहने वाली घोघी नदी में शनिवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में कस्बे के ही एक युवक का उतराता शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।शनिवार की सुबह किसी ने लोटन पुलिस को सूचना दी कि घोघी नदी में एक लाश उतरा रही है। सूचना पाकर लोटन पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को नदी से बाहर निकलवा कर उसकी शिनाख्त कराई। शव की पहचान कस्बा निवासी मनीष वर्मा(22) पुत्र स्व. किशोरी वर्मा के रूप में हुई। घटना की जानकारी होते ही मृतक के परिवारीजनों के साथ मौके पर भीड़ जुट गई। मृतक के बड़े भाई सुनील व उमेश ने बताया कि शनिवार की सुबह पांच बजे वह घर से निकला और लौट कर नहीं आया।

जनपद में कोरोना एक्टिव केसों की संख्या 270,कार्यालयो में नही लगा रहे मास्क

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर।जनपद में कोरोना एक्टिव केसों की संख्या 270 हो गई है लेकिन अभी भी लोग कार्यालयो में नही लगा रहे मास्ककोरोना संक्रमण की रफ्तार जनपद में तेजी से बढ़ने लगी है। शनिवार को 2519 लोगों की जांच रिपोर्ट आई। बांसी कोतवाली में तैनात पांच पुलिसकर्मी, स्टेट बैंक की नौगढ़ एवं बर्डपुर शाखा में कार्यरत छह कर्मी समेत 70 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इनमें 56 पुरूष, 13 महिला और एक बच्चा शामिल है। एक्टिव केसों की संख्या 270 पहुंच गई है। 2449 की रिपोर्ट निगेटिव रही। बांसी कोतवाली में तैनात पुलिसकर्मी, जजे कालोनी,सीएचसी खेसरहा व पीएचसी कठेला में कार्यरत स्टाफ भी संक्रमित मिले हैं। नौगढ़ ब्लाक में सर्वाधिक 28 लोग संक्रमित पाए गए हैं। सभी को मेडिकल किट उपलब्ध कराते हुए होम क्वारंटाइन किया गया है।मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अनिल कुमार चौधरी ने बताया कि बांसी में 10, बर्डपुर दो, खेसरहा सात,डुमरियागंज पांच,इटवा एक, जोगिया सात, लोटन एक, शोहरतगढ़ एक, उसका बाजार छह, और दो अन्य लोग कोरोना संक्रमित हुए हैं। 45 लोगों में सर्दी,जुकाम और बुखार का लक्षण मिलने पर जांच कराई गई थी। अन्य यात्रा के दौरान या अन्य कारणों से पाजिटिव हुए हैं।

बसपा कार्यालय पर केक काटकर मनाया गयापूर्व मुख्यमंत्री का जन्मदिन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। तहसील मुख्यालय स्थित बसपा कार्यालय पर

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। जिलाध्यक्ष राजकुमार आर्य ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। विधानसभा प्रभारी हरिशंकर सिंह ने केक काटा। उन्होंने कहा कि पार्टी के निर्देश पर जन्मदिन सभी बूथों पर कोविड नियमों का पालन करते हुए जन कल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया गया। जिला महासचिव शमीम अहमद, घनश्याम शर्मा, अंगद राज गौतम, शुभ करन चौधरी, राकेश गौतम, बाबूलाल, पिगल प्रसाद, जगदीश गौतम, पेशकार पासवान, ज्वाला प्रसाद राजभर, राम अवतार, जसवंत, संजय सिंह आदि उपस्थित रहे।

मकर संक्रान्ति पर हुआ कंबल वितरण

कुशीनगर। कडाके के ठंण्ड को देखते हुए मकरसंक्रान्ति के अवसर पर पत्रकार संयोग श्रीवास्तव ने अपने ग्राम सभा में असहाय लोगों में कंबल वितरण किया। जिले के वरिष्ठ पत्रकार संयोग श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान समय में ठंढ का मौसम चल रहा है और इस दौरान पहले शासन स्तर से ग्राम सभा के असहाय और गरीब लोगों में कंबल का वितरण किया जाता था किंतु इस बार हमारे ग्राम सभा में ऐसा देखने को नहीं मिला। उन्होंने कहा कि उनके पिता स्व डा ब्रजेश क्षेत्र में एक समाजसेवी चिकित्सक के रूप में कार्य करते थे और उन्ही के बताए रास्ते पर चल हम भी अपने क्षमता के अनुसार जितना संभव होता है मदद की भावना से पिता के पुनीत कार्यो का आगे बढाने की कोशिश करते आ रहे हैं और ईश्वर की कृपा रही तो समाज सेवा का यह कार्य निरंतर चलता रहेगा। इस दौरान तरयासुजान पशु अस्पताल के बृजेन्द्र श्रीवास्तव, गोविन्द यादव, राकेश श्रीवास्तव,अवध बिहारी खरवार, ऋषि, यश,ओम श्रीवास्तव सहित अनेक लोग उपस्थित रहें!

विधानसभा चुनाव मे 17 जोन मे बटा कुशीनगर जनपद

कुशीनगर ।आगामी विधान सभा चुनाव के मद्देनजर प्रशासनिक स्तर पर युद्ध सातर पर तैयारी शुरू हो गई है। छठें चरण में तीन मार्च को संपन्न होने वाले मतदान के लिए सात विधान सभा क्षेत्रों को 17 जोन बांटा गया है। इसके लिए 17 जोनल मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं जबकि सात अधिकारी रिजर्व में हैं। इसके अलावा 206 सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती हुई है, 21 रिजर्व में हैं। विधान सभा क्षेत्र खड्डा में तीन जोनल व 31 सेक्टर मजिस्ट्रेट के अलावा पडरौना में दो जोनल व 33सेक्टर मजिस्ट्रेट तमकुहीराज में तीन जोनल व 30सेक्टर मजिस्ट्रेट फाजिलनगर में दो व 26, कुशीनगर में तीन व 28, हाटा में दो व 27 व रामकोला सुरक्षित में दो जोनल व 31 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी एसडीएम न्यायिक सदर व्यास नारायण उमराव ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट डीएम एस राजलिगम के निर्देश पर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। संबंधित अधिकारियों को पत्र जारी कर क्षेत्र का भ्रमण कर सभी बूथों का स्थलीय निरीक्षण कर कमियों को दूर करने का निर्देश दिया गया है। अलग–अलग न्यायालयों में होगा नामांकनः जिला निर्वाचन अधिकारी एस राजलिगम ने बताया कि चार फरवरी को संबंधित रिटर्निंग अफसरों द्वारा अधिसूचना जारी की जाएगी तथा उसी दिन से सुबह 11 बजे से नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। विधानसभा क्षेत्र 329 खडडा का नामांकन, कलेक्ट्रेट के न्यायालय उप जिलाधिकारी न्यायिक पडरौना के कक्ष संख्या नौ में होगा।

सम्पादकीय

हाशिये के लोगों को राहत देने की बातें तो सरकारें करती हैं, लेकिन हकीकत में इन्हें किस सीमा तक मदद मिलती है यह एक यक्ष प्रश्न है। खासकर यह स्थिति तब विकट हो जाती है जब देश एक महामारी के दौर में हो। देश में चुनाव केंद्रित राजनीति के शोर में समाज का वंचित वर्ग भगवान भरोसे ही नजर आता है...

मौसम की तल्खी

कहते हैं आमतौर पर मुंबई में लोग दिसंबर के महीने में पसीना पोंछते नजर आते थे, लेकिन इस बार मौसम ने ऐसी करवट ली कि नये साल में न्यूनतम तापमान ने पिछले एक दशक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। देश की आर्थिक राजधानी में साल की शुरुआत में तापमान 15 से लेकर 13 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। कहा जा रहा है कि मुंबई वाले इस तापमान के लिये नहीं बने हैं। सोशल मीडिया में मुंबई की ठंड को लेकर खूब फिकरे कसे जा रहे हैं और लोग गर्म कपड़े तलाश रहे हैं। केवल मुंबई के मौसम की तल्खी ही चर्चा में नहीं है, पूरा उत्तर भारत मौसम की करवट से दो–चार रहा। लुढ़कते पारे ने लोगों की तमाम मुश्किलों में इजाफा कर दिया। गरीब को तो मौसम की तल्खी झेलनी ही होती है, लेकिन अबकी बार अमीर भी परेशान हैं। वजह है देश में कोरोना संकट की तीसरी लहर का होना। ठंड लगने से होने वाला सर्दी–जुकाम शक पैदा कर देता है कि कहीं कोरोना की चपेट में तो नहीं आ गये। दरअसल, दोनों के प्रारंभिक लक्षण मिलते–जुलते जो हैं। यूं तो सर्दी में अलाव तापने की तस्वीरें पूरे देश से आती रही हैं लेकिन मुंबई में सार्वजनिक स्थलों में ऐसा दृश्य अनूठा ही कहा जायेगा। दरअसल, मुंबई की ठंड की वजह उत्तर भारत में पड़ी ज्यादा ठंड को बताया जा रहा है, लेकिन महाराष्ट्र में कई जगहों पर बारिश के साथ ओले पडने के भी समाचार मिले थे, जिसका प्रभाव मुंबई के तापमान पर पड़ा। लेकिन यह तय है कि देश–दुनिया मौसम में जो अप्रत्याशित उतार–चढ़ाव महसूस कर रही है, उसके मूल में कहीं न कहीं ग्लोबल वार्मिंग का संकट भी है। मौसम के इस तेवर का असर पूरी दुनिया में है। यहां तक कि मध्यपूर्व के रेगिस्तानी इलाकों में बर्फबारी की खबरें आ रही हैं। पाकिस्तान के एक हिल स्टेशन में पिछले दिनों हुई अप्रत्याशित बर्फबारी में 22 लोग कारों में ही दम घुटने से मर गये। निस्संदेह देश के अनेक हिस्सों में ठंड की तल्खी रक्त जमाने वाली है जो कि सामान्य मौसम–चक्र से अलग है। पहाड़ी राज्यों में हुई अप्रत्याशित बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में सामान्य जीवन को भी बाधित किया है। वह भी जब कोरोना का नया वेरिएंट ओमीक्रोन देश में लाखों लोगों को रोज अपनी चपेट में ले रहा है, ऐसे में मौसम की तल्खी ने दोहरी चिंता बढ़ा दी है। यूं तो ठंड और बारिश इस मौसम में सामान्य बात है लेकिन इसकी तीव्रता परेशान करने वाली है, जिसने उत्तर भारत के राज्यों में तापमान में अप्रत्याशित कमी की है। मौसम विज्ञानी बता रहे हैं कि मौसम की तल्खी की एक वजह पश्चिमी विक्षोभ भी है, जिससे उत्तर–पश्चिमी भारत में अधिक बारिश हुई और पारा लुढ़का। इसके मूल में अरब सागर के ऊपर अधिक नमी के क्षेत्र का विकसित होना रहा। इस हवा के मध्य भारत की ओर उन्मुख होने से बारिश की स्थितियां बनी हैं। जब ये हवायें हिमालयी राज्यों से चलीं तो मैदानी इलाकों में ठंड का प्रकोप बढ़ा है, जिसके अनुकूल लोगों को खुद को ढालने में परेशानी का सामना करना पड़ा है। इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार समाज का वंचित तबका ही होता है, जिसके नसीब में छत तक नहीं है। हाशिये के लोगों को राहत देने की बातें तो सरकारें करती हैं, लेकिन हकीकत में इन्हें किस सीमा तक मदद मिलती है यह एक यक्ष प्रश्न है। खासकर यह स्थिति तब विकट हो जाती है जब देश एक महामारी के दौर में हो। देश में चुनाव केंद्रित राजनीति के शोर में समाज का वंचित वर्ग भगवान भरोसे ही नजर आता है। हाल–फिलहाल ठंड से जल्दी राहत मिलने की भी संभावना नजर नहीं आती। ऐसे में समाज के संपन्न तबके व स्वयं सेवी संस्थाओं का भी दायित्व बनता है कि मौसम की तल्खी झेलने वाले वंचित समाज की मदद को आगे आयें। स्थानीय प्रशासन की भी जिम्मेदारी है कि बेघरों के लिये बनाये गये रैन बसेरों में रहने व खाने की पर्याप्त व्यवस्था हो। महामारी के दौर में यह चुनौती बड़ी है।

कविता

इतवार स्पेशल

काम से फुर्सत किसे अब यार है,
सिर्फ कहने के लिए इतवार है।।

इक सिपाही कह रहा था फोन पर,
घर न आ पाऊंगा मैं, त्यौहार है ।।

फोर जी भी सुस्त होती जा रही,
तेज कितनी वक्त की रफ्तार है ।।

खोजते रहिए इलाके की खबर,
आजकल प्रचार ही अखबार है ।।

अब उसे लुच्चा, लफंगा मत कहो,
पैसे वाला है, तो इज्जतदार है ।

पहले जनसेवा हुआ करती थी जो !
वो सियासत आज कारोबार है ।।

खुश रहो हर गम भुला दो ऐ नियाज
फिर तो जैसे– तैसे बेड़ा पार है ।।

सिद्धार्थनगर।
नियाज कपिलवस्तुवी/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सफलता के लिए हो उत्कट इच्छा

सफलता के विचार ही उसको दुनिया में सबसे ऊपर ले जा सकते हैं। आवश्यकता है तो बस कुछ करने के विषय में सोचने और उसकी सफलता की कामना करने की। जीवन के किसी भी क्षेत्र में ऊंचाई पर पहुंचना उतना ही आसान है जितना किसी हिल स्टेशन पर पहुंचना। बड़े भाग्य की बात है कि हमारी मंजिल हमें पुकार रही है, कहीं बहुत ही नजदीक है लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि हम फिर भी ...

सीताराम गुप्ता

हम सब जीवन में सफलता का स्वाद चखना चाहते हैं लेकिन कितने व्यक्ति हैं जो अपने जीवन में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर पाते हैं? बहुत कम। वास्तव में अपेक्षित सफलता न मिलने का कारण होता है सफलता के प्रति विश्वास की कमी अथवा सीमित विश्वास। दरअसल, हम अपनी सोच के सकारात्मक परिणाम पर विश्वास ही नहीं कर पाते हैं कि ऐसा संभव हो सकेगा। और यदि हमें कोई सोचने पर विवश कर भी दे तो हमारे विश्वास की एक सीमा अवश्य होती है और किंतु–परंतु जैसे शब्द हमारे मन में आ धमकते हैं और इस प्रकार अविश्वास ही नहीं सीमित विश्वास तथा इनके कारण निरंतर अभ्यास की कमी हमारी सफलता में सबसे बड़ी बाधा बन जाती है।

घुन लगा हुआ भीतर से खोखला बीज हो अथवा आधा कटा हुआ बीज, ये अंकुरित होकर पौधे नहीं बन सकते। ऐसे बीज तो मिट्टी में पड़े–पड़े सड़कर ही समाप्त हो जाते हैं। यदि अच्छे बीज हों लेकिन उनके साथ किंतु–परंतु रूपी खर–पतवार उग आए तो भी ये पौधे को पूरी तरह से पनपने नहीं देते। कई बार पौधे तो होते हैं दो–चार लेकिन खर–पतवार इतना अधिक कि पौधों को जमीन से न तो पोषण ही मिल पाता है और न सूर्य की रोशनी ही। यही हमारे विचारों के साथ होता है। या तो हमारे विचार ही अच्छे नहीं होते और यदि विचार अच्छे हों तो किंतु–परंतु रूपी संशय उन्हें विनष्ट कर डालता है। महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण अर्जुन को यही समझाते हैं कि विवेकहीन और श्रद्धारहित संशयात्मा मनुष्य का पतन हो जाता है। ऐसे संशयात्मा मनुष्य के लिए न यह लोक है, न परलोक है और न सुख ही है। संशय क्या है? संशय है अधूरा ज्ञान अथवा अज्ञान। हम जिस विषय को बिलकुल नहीं समझते उस विषय में संशय पैदा नहीं होता और जिसको भली–भांति समझते हैं उसमें भी संशय पैदा नहीं होता। संशय पैदा होता है अधूरे ज्ञान से और यही अज्ञान है। अज्ञान ज्ञान का अभाव नहीं है। अधूरे ज्ञान को पूरा मान लेना ही अज्ञान है। किसी विषय की गलत जानकारी अज्ञान है। संशय का उत्पन्न होना स्वाभाविक है। अतरू संशय उत्पन्न होना हानिकारक नहीं है लेकिन संशय को बनाए रखना और उसे दूर करने की चेष्टा न करना हानिकारक है। संशयग्रस्त मनुष्य को न तो आध्यात्मिक उत्थान के मार्ग में ही कोई लाभ होता है और न ही वह जीवन में भौतिक सफलता ही प्राप्त कर पाता है। श्जाकी रही भावना जैसीश्च इसी सिद्धांत के अनुरूप, अपने विश्वास के अनुरूप ही हम सफलता प्राप्त कर पाते हैं। यही बात बाइबिल में कही गयी है कि आपके विश्वास के अनुसार ही आप कार्य करते हैं। विलियम जेम्स ने कहा है कि हमारी शारीरिक एवं मानसिक शक्तियां असीमित, अपूर्व तथा अकल्पनीय हैं, जिनका हम प्रयोग ही नहीं करते या सीमित प्रयोग कर सीमित फल पाते हैं। आज हम अस्वस्थ, अशांत, असमृद्ध, असंतुलित अथवा अप्रभावशाली व्यक्तित्व के स्वामी चाहे न हों लेकिन अपने सीमित विश्वास अथवा अपने विश्वास की शक्ति का उपयोग न कर पाने के कारण कहीं न कहीं अल्पस्वस्थ, अल्पशांत, अल्पसमृद्ध, अल्पसंतुलित तथा अल्प प्रभावशाली व्यक्तित्व के स्वामी अवश्य हैं अन्यथा आज हम अपने सर्वांगीण विकास की सीढ़ी के जिस डंडे पर खड़े हैं उससे अगले डंडों पर क्यों नहीं? ये हमारा सीमित विश्वास या विश्वास की कमी ही तो है जिसके कारण हम सबसे पहले पहुंचने पर भी अगली पंक्ति में सर्वोत्तम स्थान पर बैठने की अपेक्षा पीछे की ओर किसी उपेक्षित–सी सीट पर जा बैठते हैं।

संभवतरू आपको पता नहीं है कि विश्व की सारी समृद्धि, सारा ऐश्वर्य सिर्फ आपके लिए है। कहने का तात्पर्य यही है कि विश्व की सारी ताकतें आपके कदमों में सर झुकाने को बेताब हैं लेकिन आप हैं कि मन में ख्वाहिश ही पैदा नहीं करते। मन में ख्वाहिश पैदा कीजिए और अपने मन की शक्ति पर पूर्ण विश्वास कीजिए और फिर देखिए सफलता की हर सीढ़ी कैसे आपके लिए छोटी पड़ जाती है। एक मुकम्मल प्यास एक उत्कट इच्छा तो मन में पैदा कीजिए उसकी पूर्ति का प्रबंध भी अवश्य हो जाएगा। विलियम जेम्स के अनुसार, इस शताब्दी का सबसे बड़ा आविष्कार है कि मनुष्य अपने विचारों को बदल कर जीवन सुखमय एवं सफल बना सकता है। वास्तविकता तो यही है कि मनुष्य को सफल होने के लिए अधिक शारीरिक श्रम करने की आवश्यकता ही नहीं। सकारात्मक विचार जीवन में क्रांति लाने में पूर्णतरू सक्षम होते हैं। सफलता के विचार ही उसको दुनिया में सबसे ऊपर ले जा सकते हैं। आवश्यकता है तो बस कुछ करने के विषय में सोचने और उसकी सफलता की कामना करने की। जीवन के किसी भी क्षेत्र में ऊंचाई पर पहुंचना उतना ही आसान है जितना किसी हिल स्टेशन पर पहुंचना। बड़े भाग्य की बात है कि हमारी मंजिल हमें पुकार रही है, कहीं बहुत ही नजदीक है लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि हम फिर भी उसकी तलाश नहीं कर रहे हैं। पहले तो कभी मंजिल हमारे इतने पास न थी लेकिन अब तो मंजिघ्ल सामने है उसे छू लीजिए। अपने विचारों की शक्ति को पहचान कर उस पर विश्वास करके अपने जीवन को सफल बना लीजिए।

फिर भी ब्रिटिश और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां कहती रहीं कि उनके पास उपलब्ध भरोसेमंद जानकारी इसके उलट है। फिर इराक को मलबे में तब्दील कर दिया, सद्दाम हुसैन मारा गया और पेट्रोलियम स्रोतों पर कब्जा कर लिया गया। बाद में, खुद माना कि कोई जनसंहार अस्त्र बरामद नहीं हुआ। पुनः, सच क्या है और झूठ क्या,लोगों ने किस पर यकीन किया ? पुनरू अपने घर की बात ...

सच की शिनाख्त बनाएगी हमें स्वतंत्र

गुरबचन जगत

मुझे अक्सर अचरज होता है कि हम में से अधिकतर झूठ क्यों बोलते हैं? नाना झूठ जैसे कि गैर–नुकसानदायक, दुर्भावनापूर्ण, तथ्यों को घुमाकर, कपोल–कल्पित, मतदाता को भरमाने वाले, अपने उच्च अधिकारी को खुश करने वाले, शरारत उपरांत डांट से बचने को बच्चों के झूठ इत्यादि–इत्यादि। छुटपन के मासूम झूठ से शुरू होकर वयस्कों के विद्वेषपूर्ण झूठ तक का यह सफर एक विकास–क्रम है। झूठ बोलने की काबिलियत का मुकाबला इस पर स्वेच्छा से यकीन करने वाले की क्षमता ही हो सकता है। यूं तो झूठ से हर किसी का वास्ता पड़ता है, लेकिन जब वरिष्ठ नेताओं को सुनें तो निरे झूठ से ही पाला पड़ता है। चूंकि एक पुलिस अधिकारी को नौकरी के आरंभ से ही राजनेताओं को नजदीक से देखने का मौका मिल जाता है, यहां तक कि मुख्यमंत्री को भी, तो वह पाता है कि सभा चाहे निजी हो या सार्वजनिक, सब कोई झूठ बोलने में शामिल हैं। वे बेझिझक भावुक अंदाज में इतने बड़े–बड़े झूठ बोलते हैं कि अभिभूत श्रोता भी भौचक्क हो सुनते थे। मुख्यमंत्री जानता था कि वह झूठ बोल रहा है, लोग भी जानते थे कि यह झूठ ही है, यह हमें भी पता था। लेकिन हरेक का चेहरा दिखावा करता था मानो कही बातों पर पूरा यकीन हो। क्या यह अविश्वास का स्वैच्छिक त्याग है? मुझे लगता है श्ड्रामाश्च शब्द यहां एकदम फिट बैठता है। आगे बढने से पहले, आइए पहले किसी व्यक्ति के बचपन से लेकर वयस्क होने तक और फिर किसी संस्थान, निजी या सार्वजनिक, में पहुंचने तक झूठ के विकास–क्रम पर विचार करें। वयस्क लोग धीरे–धीरे, होशो–हवास में या अनजाने में, दुनियावी सफलता पाने की चाह में झूठ को एक बड़ा हिस्सा बनाने लगते हैं। जिस समाज में वह विचरता है, उसे एकदम स्पष्टवादी और मुंह पर सच कहने वाले रास नहीं आते। आपको अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु तथ्यों और विचारों को पुट देना ही पड़ता है, कई मर्तबा तो निपट झूठ तक गढना पड़ता है। जैसे ही आप सरकारी नौकरी या किसी संस्थान में–निजी अथवा सरकारी– दाखिल होते हैं आपका वास्ता श्दबाव डालनेश्च वाले गुटों से पड़ता है, जिनके कहे–अनकहे ध्येय होते हैं– ये चेहरे निजी हो सकते हैं या सरकारी। ऐसी ताकतों और उनके उद्देश्यों के साथ सहयोग करने या न करने का फैसला केवल आपका होता है। आपको सिर्फ अपना वजूद रखने की खातिर अपने आदर्शों और कानून के राज के प्रति निष्ठा का लेन–देन नहीं करना चाहिए। बेशक, यह राह वह है, जिसमें निजी आराम का कुछ त्याग करना पड़ता है, लेकिन यह पथ व्यक्तिगत निर्वाण की ओर लेकर जाता है... श्सच आपको मुक्ति प्रदान करता है।श्च सरकार एक विशालकाय तंत्र होता है और इसको बहुमुखी फर्ज निभाने पड़ते हैं, जिसके लिए बहुत सारे विभाग हैं। इसमें वित्तीय प्रबंधन, विकास कार्य और कानून एवं व्यवस्था (अंदरूनी और बाहरी सुरक्षा) बनाए रखने वाले मुख्य हैं। विकास कार्य करवाना बहुत बड़ा काम है, लेकिन फिर इसके लिए वादे भी उतने बड़े–बड़े करने पड़ते हैं। इन वादों को पूरा न कर पाने पर, बहुत बड़े स्तर पर परिष्कृत तरीकों से भ्रामक जनप्रचार का सहारा लेकर सच को छिपाकर और झूठ फैलाकर लोगों को बेवकूफ बनाया जाता है। जहां तक वित्तीय कारगुजारी का संबंध है, वहां हमें ऐसा डाटा दिखाकर सिद्ध किया जाता है मानो जीडीपी, प्रति व्यक्ति आय बढ़ रही है और गरीबी के स्तर, मुद्रास्फीति में उतार–चढ़ाव में कमी हो रही है। निरूसंदेह, डाटा और आंकड़ों का खेल उतना ही अच्छा–बुरा होता है, जितना इनको गढने वाले लोग। सरकार जो आंकड़े बताती है, विपक्ष उनसे अलग पेश करता है, तो विश्व बैंक और एशियन बैंक, मूडी और अन्य निजी संस्थान कुछ और ही बताते हैं। आंकड़ों के हरेक समुच्चय पर किसी–न–किसी नामचीन अर्थशास्त्री, रिजर्व बैंक, कोलंबिया–हार्वर्ड सरीखी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों की मुहर भी लगी होती है। हालिया विवादित प्रसंग जैसे कि टेलीकॉम और कोयला घोटाला, नोटबंदी, बड़े राष्ट्रीय संस्थानों के विनिवेश इत्यादि पर आये डाटा पर सवाल उठे और आंकड़ों की जादूगरी कहा गया। आप जिस पर यकीन करना चाहें, कर लें, कुछ सच, कुछ झूठ तो कुछ निजी विचारधारा के मुताबिक। आइए, अब संक्षेप में अंदरूनी और बाहरी सुरक्षा आयाम पर नजर डालें। सामान्यतरू बावर्दी पुलिस विभागों से अपेक्षा होती है कि वे कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने का अपना फर्ज निभाएंगे। लेकिन भारत में ये विभाग सत्तारूढ़ दलों के दास बन गए हैं, भले ही सरकार किसी भी पार्टी की हो। जांच–पड़ताल और केस दायर करने में सच को छिपाने वाले प्रारूप गढना आज अपवाद न होकर सामान्य चलन बन गया है। फिर हमारे पास भारत सरकार की विशिष्ट एजेंसियां हैं जैसे कि आईबी, एनआईए, सीबीआई, ईडी, एनसीबी, रॉ इत्यादि। चूंकि ज्यादातर एजेंसियों का दर्जा वैधानिक नहीं है लिहाजा संसद को जवाबदेह नहीं हैं। उनका निर्माण विशेष उद्देश्यों के लिए हुआ था, लेकिन इन्हें भी सत्ताधारियों ने अपने निजी एजेंडे की पूर्ति हेतु लचीला और झुकने वाला बना डाला। वे यह सब करके भी इसलिए बच जाते हैं क्योंकि उन पर कोई जिम्मेवारी तय नहीं है। ज्यादातर देशों की विदेशी खुफिया एजेंसियां दूसरे मुल्कों में अदृश्य षड्यंत्र, अस्थिरता, विद्रोह को हवा देने में लिप्त होती हैं। इन सब कामों में अधिकांशतरू पहला शिकार सच बनता है, भ्रामक सूचना का निर्माण और छद्म कहानियां इत्यादि गढना इस खेल के अभिन्न अवयव हैं। अफगानिस्तान से सोवियत सेना को खदेडने की खातिर सीआईए ने आईएसआई की मदद से तालिबान तैयार किए, प्रशिक्षित किया और पैसा दिया। बाद में 9ध्11 के आतंकी हमले के बाद उसी तालिबान और अफगानिस्तान पर 20 साल तक अमेरिका ने बम बरसाए, आज फिर से तालिबान सत्ता पर काबिज है। इस सामरिक क्षेत्र में अपने उद्देश्यों के लिए विभिन्न देशों के गुट नए–नए षड्यंत्र रचने में जुटे हैं। इसी तरह, खाड़ी में हुए दूसरे युद्ध में, अमेरिका, ब्रिटेन और उनके सहयोगी मुल्कों ने अपने सैनिक पूरी मारक शक्ति और आवेश के साथ उतारे थे– क्यों? उनके श्सुबूतोंश्च के अनुसार इराकियों के पास जनसंहार के ऐसे अस्त्र थे, जो उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा थे। लेकिन संयुक्त राष्ट्र निरीक्षकों का निष्कर्ष था कि ऐसा कुछ नहीं है। फिर भी ब्रिटिश और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां कहती रहीं कि उनके पास उपलब्ध भरोसेमंद जानकारी इसके उलट है। फिर इराक को मलबे में तब्दील कर दिया, सद्दाम हुसैन मारा गया और पेट्रोलियम स्रोतों पर कब्जा कर लिया गया। बाद में, खुद माना कि कोई जनसंहार अस्त्र बरामद नहीं हुआ। पुनरू, सच क्या है और झूठ क्या,लोगों ने किस पर यकीन किया? पुनरू अपने घर की बात करें, तो आज चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर और देश के अशांत क्षेत्रों में क्या घट रहा है?

खैराबाद को हराकर कुन्नूर बना विजेता

लार। कस्बे के रमावती धर्मनाथ बालिका इंटर कालेज के मैदान में आयोजित राज्यस्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में कुन्नूर (केरल) की टीम ने खैराबाद को 2–1 हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ। निर्धारित समय तक दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थीं। दोनों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और आखिर तक दोनों टीम के खिलाड़ी जीत के लिए जूझते रहे। मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी कपिलमुनि सिंह ने विजेता टीम को ट्राफी प्रदान करने के साथ खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि खेल से आपसी सौहार्द बढ़ता है। खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। आयोजक धीरज सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान मुख्य रूप से अरुण पांडेय, संतोष सिंह लारी, नीरज सिंह, मनीष मिश्रा, क्षत्रपाल सिंह, करुणेश सिंह, दानवीर सिंह मौजूद रहे।

सलेमपुर व गगहा ने ट्राफी पर जमाया कब्जा

रुद्रपुर। क्षेत्र के ग्राम ईश्वरपुरा में आयोजित डे–नाइट वालीबाल टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग के फाइनल में सलेमपुर ने ईश्वरपुरा को तथा महिला वर्ग में गगहा ने मुगलसराय को हराकर ट्राफी पर कब्जा जमाया। पुरुष वर्ग में सलेमपुर की टीम ने 15–13 व 15–12 से मैच जीता। महिला वर्ग में गगहा व मुगलसराय के हुए मुकाबले में पहले राउंड का मैच गगहा ने 15–9 के स्कोर से जीत लिया । दूसरे राउंड में 15–12 के स्कोर से मुगलसराय जीता। तीसरे और फाइनल राउंड में गगहा ने 15–13 से जीत दर्ज की। मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि अनिरुद्ध चौधरी व विशिष्ट अतिथि शैलेन्द्र मल्ल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इसके बाद विजेता व उपविजेता टीम को ट्राफी प्रदान किया ।

पंचायत सहायकों व कंप्यूटर आपरेटरों की लगाई गई ड्यूटी

महराजगंज। मुख्य विकास अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल (कार्मिक नोडल अधिकारी) ने विधानसभा चुनाव को सकुशल व निष्पक्ष ढंग से कराए जाने के लिए पंचायत सहायकों को कलेक्ट्रेट में स्थापित सीविजिल कंट्रोल रूम में नोडल अधिकारी सवींद्र कुमार सिंह के साथ निर्वाचन समाप्ति तक लगाया है। उन्होंने बताया कि आशु पांडेय सवरेजी, गोरखनाथ कृतपिपरा, सुनील भारती दरौली, अखिलेश्वर मल्ल, जगलफरजंदली, सात्विक तिवारी अहमदपुर, सुनील वर्मा सिसवा बाबू, अमूल्य रतन करमहा तथा अजीत कुमार रूधौली भावचक तैनात रहेंगे। इसी प्रकार व्यय अनुवीक्षण नियंत्रण कक्ष में नोडल अधिकारी वरिष्ठ कोषाधिकारी शालीग्राम के साथ रमेश कुमार यादव कंप्यूटर आपरेटर जिला पंचायत, सतीश कुमार पांडेय व भोलेंद्र श्रीवास्तव कंप्यूटर आपरेटर बेसिक शिक्षा विभाग की ड्यूटी होगी।

वीडियो अवलोकन टीम के लिए लगी ड्यूटी

महराजगंज। जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने विधानसभा क्षेत्रवार वीडियो अवलोकन टीम के लिए अधिकारी व कर्मचारी की ड्यूटी लगाई है। फरेंदा विधानसभा क्षेत्र में त्रिलोकीनाथ अवर अभियंता नलकूप व धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव लिपिक नगर पंचायत आनन्दनगर को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार नौतनवा विधानसभा क्षेत्र में श्याम बिहारी अवर अभियंता, संजय श्रीवास्तव लिपिक नगर पंचायत सोनौली, सिसवा विधानसभा क्षेत्र में रणजीत तिवारी अवर अभियंता व विष्णु गुप्ता लिपिक नगर पंचायत सिसवा, महराजगंज सदर विधानसभा क्षेत्र में सुनील कुमार यादव अवर अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग व रामनरेश चौरसिया लिपिक विनियमित क्षेत्र महराजगंज तथा पनियरा विधानसभा क्षेत्र में मधुसूदन अवर अभियंता व रामदरश वाद लिपिक नगर पालिका परिषद महराजगंज तैनात किया गया है।

कलेक्ट्रेट में बना अनुवीक्षण नियंत्रण कक्ष व काल सेंटर

महराजगंज। वरिष्ठ कोषाधिकारी, नोडल अधिकारी निर्वाचन व्यय सेल शालिग्राम ने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 का चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी व आम जनता के लिए सूचनाओं को उपलब्ध ा कराने के लिए अनुवीक्षण नियंत्रण कक्ष व काल सेंटर की स्थापना कलेक्ट्रेट में की गई है। उन्होंने कहा है कि चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के चुनाव व्यय के अनुश्रवण के संबंध में किसी प्रकार की जानकारी व सूचना आदान–प्रदान के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में पुस्तकालय कक्ष संख्या 57 में अनुवीक्षण नियंत्रण कक्ष एवं काल सेंटर स्थापित की गई है। जिसका मोबाइल नंबर 9936903042 है।

एसपी ने देखी अर्द्धसैनिक बलों के कैंप की व्यवस्था

महराजगंज । विधानसभा चुनाव के लिए जिले में आए अर्द्धसैनिक बल के जवानों के ठहरने और भोजन समेत अन्य व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता ने पनियरा इंटर कालेज और राजकीय इंटर कालेज का निरीक्षण किया। दोनों विद्यालयों पर कैंप किए हुए दो कंपनी अर्द्धसैनिक बलों के रहने, खाने–पीने से लेकर कोविड प्रोटोकाल आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। शुद्ध पेयजल, स्वस्थ भोजन और साथ ही साथ कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर भी बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक रामाज्ञा सिंह, उप निरीक्षक इम्तियाज अहमद, हरिश्चंद्र, रामबृक्ष पटेल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एसएसबी व पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

महराजगंज । पुलिस व एसएसबी के जवानों ने विधानसभा चुनाव को लेकर लक्ष्मीपुर व पैसिया ललाइन में फ्लैग मार्च किया। इसमें बड़ी संख्या में पुलिस व एसएसबी जवान के साथ–साथ पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद थे। फ्लैग मार्च ललाइन पैसिया से शुरू होकर ब्लाक, लक्ष्मीपुर कस्बा, एकमा डिपो में संपन्न हुआ। प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र राय ने बताया कि कानून–व्यवस्था को चुस्त रखने के लिए और आम जनता के अंदर चुनाव को लेकर अमन–शांति का विश्वास पैदा करने के लिए फ्लैग मार्च निकाला गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी सुनील दत्त दुबे ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि बिना किसी डर, भय के मतदान केन्द्र पर जाकर मतदान करें। इस दौरान थानाध्यक्ष बृजमनगंज देवेन्द्र प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी अंकित सिंह, उपनिरीक्षक अवधेश सिंह, मनीश यादव, दुर्गेश यादव मौजूद रहे।

जिले में बढ़ा कोरोना संक्रमण, मिले 68 मरीज

देवरिया। जिले में कोरोना संक्रमण प्रतिदिन बढ़ रहा है। आई कोरोना संक्रमण की जांच रिपोर्ट में 68 की रिपोर्ट पाजिटिव व 2439 निगेटिव आई है। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग में खलबली है। इसके साथ ही कोरोना के सक्रिय केस की संख्या जिले में 229 हो गई है। पाजिटिव आए लोगों के बारे में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी पता करने में जुटे हैं।

इसके साथ ही संक्रमितों के बारे में पता कर उनके संपर्क में आने वाले लोगों की सैंपलिग कराई जा रही है। कोरोना संक्रमितों की संख्या में लगातार वृद्धि से विभाग के अधिकारियों की चिता बढ़ गई है। इसकी रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करने के साथ ही अधिक से अधिक लोगों को मास्क लगाने व शारीरिक दूरी का पालन कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग प्रयास कर रहा है। कोरोना संक्रमण भले बढ़ रहा है, लेकिन इसे लेकर लोगों की लापरवाही कम नहीं हो रही है। सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने कहा कि 68 कोरोना पाजिटिव आए हैं। सभी के बारे में पता किया जा रहा है।

कोविड एल टू अस्पताल में एक भी मरीज भर्ती नहीं: एमसीएच विग कोविड एल टू अस्पताल में कोरोना का एक भी मरीज अभी तक भर्ती नहीं हुआ है। इसे लेकर जिले में कोरोना से बचाव की स्थिति देखने आए नोडल अधिकारी शमीम अहमद ने भी सीएमओ व एसीएमओ से सवाल किया था कि आखिर अभी तक भर्ती क्यों नहीं किया गया। इस पर सभी अधिकारी चुप्पी साध गए थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम को चकमा दे रहे संक्रमितः कोरोना पाजिटिव की नई सूची आने के बाद सीएमओ कार्यालय से स्वास्थ्यकर्मी पाजिटिव आए लोगों का लोकेशन लेने का प्रयास शुरू कर दिए। इस क्रम में जब फोन करना कर्मचारियों ने शुरू किया तो एक दर्जन से अधिक संक्रमितों ने बात करने के बाद मोबाइल बंद कर दिया। कई ने तो लोकेशन ही गलत बताया। इसे लेकर स्वास्थ्यकर्मी पूरा दिन परेशान रहे।

महराजगंज में 59 और मिले कोरोना संक्रमित

महराजगंज। जिले में कोरोना कहर बढ़ता ही जा रहा है। एक जनप्रतिनिधि सहित 59 और कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इस प्रकार सक्रिय रोगियों की संख्या 145 तक पहुंच गई है। एक साथ 59 लोगों की संक्रमित होने की रिपोर्ट आने से प्रशासन की चिता बढ़ गई है। जिले के बभनौली, हनुमानगढ़ी, लोहेपार, ठूठीबारी, सुभाषनगर, शिकारपुर, लक्ष्मीपुर, गांधी नगर, बसंतपुर, मोहनजोत, दमकी, सोहट कैमा, खरखोरी, कुमसेरवा, बिस्मिल नगर क्षेत्र में तथा सीएचसी नौतनवा व सीएमओ आफिस के एक कर्मचारी सहित 28 संक्रमित पाए गए हैं। इसके अलावा सोनौली बार्डर पर हुई जांच में वाराणसी एक, गुजरात के आठ, गाजियाबाद के एक, मुजफ्फरपुर एक, अंबेडकर नगर के एक, कानुपर, देवरिया के एक–एक, कोलकत्ता के एक, राजस्थान के नौ, शिमला के एक, छत्तीसगढ़ के एक सहित 31 लोग संक्रमित पाए गए हैं। नोडल अधिकारी डा. आइए अंसारी ने बताया कि जिले में संक्रमित रोगियों की संख्या 12639 हो गई है। इसमें 12639 ने कोरोना को मात दे दी है। अब तक 141 की मृत्यु हो चुकी है। वर्तमान में सक्रिय रोगियों की संख्या 145 तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि बार्डर पर हुई जांच में मिले अन्य जिलों के संक्रमितों की सूचना संबंधित जिले को भेज दी गई है।

सुरक्षा के लिए खतरा बने, बिना सत्यापन के रह रहे किरायेदार

महराजगंज। जिले में शहर से लेकर बार्डर इलाकों में छोटे कस्बों और चौक–चौराहों पर आधे से अधिक किरायेदार बिना पुलिस सत्यापन के रह रहे हैं। पिछले दिनों कई मामलों की जांच के दौरान पुलिस के समक्ष ऐसे मामले देखने को मिले। लोग अपने फायदे के लिए घरों में किरायेदार तो रख लेते हैं, लेकिन सत्यापन नहीं कराते। कई मामलों में देखने को मिला है जब नेपाल या भारत के किसी दूसरे प्रदेश से आकर किरायेदार बने लोगों ने अपराध करते हैं और पुलिस को भटकना पड़ा है। बावजूद इसके न तो पुलिस सतर्क हो रही है और न ही लोग जागरूक हो पा रहे हैं। नेपाल सीमा से सटे जिला होने के कारण भी देश की सुरक्षा को लेकर महराजगंज की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसमें खासकर महराजगंज शहर के अलावा प्रमुख कस्बों, अंतरराष्ट्रीय सीमा सोनौली, नौतनवा, फरेंदा, कोल्हुई, ठूठीबारी, बरगदवा, परसामलिक व निचलौल में सैकड़ों बाहरी लोग मकान किराये पर लेकर रहते हैं। इसमें कई व्यापार तो कई अन्य कार्यों में लिप्त हैं। कुछ ऐसे भी हैं जो फेरी लगाकर कपड़े व दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाली वस्तुओं का व्यापार करते हैं। लेकिन इनका आपराधिक रिकार्ड है, या नहीं इससे किसी को लेना–देना नहीं है। शहरों में तो खुद मकान मालिक टैक्स व विद्युत बिल बचाने के लिए इनका सत्यापन नहीं कराते हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों में लोगों को सत्यापन न कराना अपराध है इसकी जानकारी ही नहीं है। केस एकः चौक क्षेत्र में नेपाल के नवलपरासी जिला थाना बेलाटाड़ी गांव हरखपुरा निवासी राजमन चौहान किराये पर मकान लेकर लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम देता रहा। इसके बाद पुनरू नेपाल भाग जाता था। केवलापुर ग्राहक सेवा केंद्र में चोरी के बाद पकड़े जाने पर चौक थाने से भी शौचालय की खिड़की तोड़कर फरार हो गया था। जिसे 18 अक्टूबर 2021 को ठूठीबारी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। केस दोः सात जुलाई 2021 को पुरंदरपुर पुलिस ने राजस्थान के अलवर जिले राहुल शर्मा व हरियाणा के सिरसा जिले के निवासी आकाश ने सराफा कारोबारी के वहां छह लाख के आभूषण की चोरी की। दोनों ने पहले फेरी वाला बनकर रेकी किया। पुलिस ने दोनों को 12 जुलाई को गिरफ्तार किया था। केस तीनः शहर के एक व्यापारी के वहां फरवरी 2021 में एक व्यक्ति ने आफिस खोला। चार स्थानीय लड़कियों को कर्मचारी के रूप में नौकरी पर भी रखा। उनको धोखे में रखकर उनके खाते भी खोलवा लिए गए। एक माह के भीतर उनके खातों में फर्जी तरीके से लाखों रुपये मंगाए और फिर रुपये लेकर फरार हो गया। अब चारों लड़कियों और मकान मालिक के विरूद्ध पुलिस जांच कर रही है। सत्यापन की आनलाइन सुविधाः किराएदारों के सत्यापन के लिए किसी को भी कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। पुलिस विभाग के यूपीकाप एप पर कर्मचारियों का सत्यापन आनलाइन कराया जा सकता है। एप के प्रोफार्मा में जाकर कर्मचारी की डिटेल, उसका थाना क्षेत्र, उसके रेजीडेंसियल एड्रेस के बारे में जानकारी देनी होगी। इसके बाद आईडी प्रूफ के रूप में जारी आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड को स्कैन कर डाउनलोड करना होगा। पूरी डिटेल मिलने पर संबंधित थाना क्षेत्रों की पुलिस उस व्यक्ति के बारे में पूरा रिकार्ड खंगालेगी। किरायेदारों के सत्यापन के लिए लोगों को जागरूक किया जाता है। साथ ही पुलिस विभाग की ओर से अभियान चलाकर जांच कराई जाएगी, व बिना सत्यापन किरायेदार रखने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

दोपहर में खिली धूप, सुबह–शाम गलन बरकरार

महराजगंज। दो दिन पूर्व हुई बारिश से लगातार गिर रहा तापमान धूप होने से लगभग थम गया। दिन में धूप होने से मौसम साफ रहा, लेकिन शाम होते ही फिर गलन बढ़ गई। इस दौरान अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा तो वहीं, न्यूनतम आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले एक सप्ताह से ठंड से लोगों का जनजीवन प्रभावित था। लेकिन इधर बुधवार को हुई बारिश ने तो लोगों का जीना और मुहाल कर दिया था। सूर्यदेव ने अपनी कृपा बरसाई। हालांकि सुबह की शुरूआत घने कोहरे के साथ हुई। लेकिन करीब 11 बजे कोहरे को चीरती हुई सूर्य की किरणें धरती पर पहुंची तो लोग निहाल हो उठे। दिन भर लोगों को धूप की गर्मी मिली और वे ठंड के अहसास से छुटकारा मिला गया। इसी के साथ ही लोग घरों के बाहर और छतों पर नजर आने लगे। सर्दी के कारण देर से खुलने वाले दुकान समय से पहले खुले रहे और उस पर ग्राहकों पर भीड़ जुटी रही। घर में गृहणियों ने भी धूप का भरपूर फायदा उठाया। कपड़ों की धुलाई की और उसे छतों पर सुखाया। गर्म कपड़ों, रजाई–गद्दों को भी धूप दिखाया। लेकिन शाम होते ही फिर ठिठुरन बढ़ गई। सड़कों पर धुंध छा गया। दिनभर चहल–पहल वाले सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। लोगों ने अलाव का सहारा लिया और घरों में दुबक गए। गर्म कपड़ों की दुकानों पर लगी रही भीड़: सुबह व शाम को शहर के सक्सेना तिराहा, मऊपाकड़, फरेंदा मार्ग पर गर्म कपड़ों की दुकानों पर लोगों की भीड़ लगी रही। लोग ठंड से बचाव को लेकर गर्म कपड़ों की खरीदारी करते देखे गए।

2121 लोगों की हुई कोरोना जांच

महराजगंज। जिले में कोरोना को लेकर 2121 लोगों की जांच की गई। इसमें एंटीजन से 1136 लोगों की जांच की गई है। जबकि आरटीपीसीआर जांच के लिए 985 लोगों को नमूना मेडिकल कालेज भेजा गया है। नोडल अधिकारी डा. आइए अंसारी ने बताया कि बृजमनगंज में 244, घुघली में 101, लक्ष्मीपुर मं 96, मिठौरा में 162, नौतनवा में 450, निचलौल 402, पनियरा में 196, परतावल, 300, फरेंदा में 42, सिसवा में 42, महिला अस्पताल में 86 लोगों की जांच की गई थी।

लाख दुखों की दवा सूर्य नमस्कार : प्रो.डॉ नवीन सिंह

नियमित योगाभ्यास से होगा हमारा शरीर निरोग और बढ़ेगी रोग प्रतिरोधक क्षमता

बस्ती। विश्व संवाद परिषद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर डॉक्टर नवीन सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार को सर्वश्रेष्ठ योगासन कहा जाता है यह एक साथ 12 आसनों का लाभ देता है ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत है सूर्य । इसी कारण प्राचीन ऋषि–मुनि सूर्य की पूजा–अर्चना करते थे। श्सूर्य नमस्कारश का मतलब है सूर्य को नमन करना यानि सन सेल्यूटेशन,अगर आप योग की शुरुआत कर रहे हैं तो इसके लिए श्सूर्य नमस्कारश का अभ्यास सबसे बेहतर है।

डॉ नवीन सिंह ने बताया कि सूर्य नमस्कार के 12 चरण का हर रोज अभ्यास करने से दिमाग सक्रिय और एकाग्र बनता है। आमतौर पर इसका अभ्यास सुबह खाली पेट किया जाता है। सुबह के समय खुली जगह पर इसे करें, जहां आपको ताजा हवा मिले सूर्य नमस्कार के लाभ रू पाचन और भूख में सुधार करता है। शरीर को लचीला बनाता है। कब्ज की समस्या को ठीक करने में कारगर है।

शारीरिक और मानसिक मजबूती बढ़ाता है। बॉडी पोस्चर को बेहतर करता है और बैलेंस बनाने में मदद करता है। मसल्स को टोन करता है। हड्डियों को मजबूत करता है। बाजू, कंधों, कमर, पैर, क्वैड्स, काफ्स और हिप्स की मांसपेशियों को टोन करता है। वजन कम करने में मदद करता है।

नमस्कार के 12 चरण है पहला

प्रणामासन – सूरज की तरफ चेहरा करके सीधे खड़े हों और दोनों को पैरों को मिलाएं, कमर सीधी रखें। अब हाथों को सीने के पास लाएं और दोनों हथेलियों को मिलाकर प्रणाम की अवस्था बनाएं।

हस्तउत्तानासन– पहली अवस्था में ही खड़े होकर अपने हाथों को सिर के ऊपर उठाकर सीधा रखें। अब हाथों को प्रणाम की अवस्था में ही पीछे की ओर ले जाएं और कमर को पीछे की तरफ झुकाएं।

पादहस्तासन – अब धीरे–धीरे सांस छोड़ें और आगे की ओर झुकते हुए हाथों से पैरों की उंगलियों को छुएं। इस समय आपका सिर घुटनों से मिला होना चाहिए।

अश्वसंचालनासन – धीरे–धीरे सांस लें और सीधा पैर पीछे की ओर फैलाएं। सीधे पैर का घुटना जमीन से मिलना चाहिए। अब दूसरे पैर को घुटने से मोड़ें और हथेलियों को जमीन पर सीधा रखें। सिर को आसमान की ओर रखें।

दंडासन – अब सांस छोड़ते हुए दोनों हाथों और पैरों को सीधी लाइन में रखें और पुश–अप की पोजीशन में आ जाएं।

अष्टांग नमस्कार – अब सांस लेते हुए अपनी हथेलियों, सीने, घुटनों और पैरों को जमीन से मिलाएं। इस अवस्था में रहें और सांस को रोकें।

भुजंगासन – अब हथेलियों को जमीन पर रखकर पेट को जमीन से मिलाते हुए सिर को पीछे आसमान की ओर जितना हो सके झुकाएं।

अधोमुखशवासन – इसे पर्वतासन भी कहा जाता है। इसके अभ्यास के लिए अपने पैरों को जमीन पर सीधा रखें और कूल्हे को ऊपर की ओर उठाएं। सांस छोड़ते हुए कंधों को सीधा रखें और सिर को अंदर की तरफ रखें।

अश्वसंचालनासन – धीरे–धीरे सांस लें और सीधा पैर पीछे की ओर फैलाएं। सीधे पैर का घुटना जमीन से मिलना चाहिए। अब दूसरे पैर को घुटने से मोड़े और हथेलियों को जमीन पर सीधा रखें। सिर को आसमान की ओर रखें।

पादहस्तासन – अब धीरे–धीरे सांस छोड़ें और आगे की ओर झुकते हुए हाथों से पैरों की उंगलियों को छुएं। इस समय आपका सिर घुटनों से मिला होना चाहिए।

हस्तउत्तनासन – पहली अवस्था में ही खड़े होकर अपने हाथों को सिर के ऊपर उठाकर सीधा रखें। अब हाथों को प्रणाम की अवस्था में ही पीछे की ओर ले जाएं और कमर को पीछे की तरफ झुकाएं। इस दौरान आप आधे चांद का आकार बनाएंगी। इस आसन को अर्धचंद्रासन भी कहा जाता है।

प्रणामासन – सूरज की तरफ चेहरा करके सीधे खड़े हों और दोनों को पैरों को मिलाएं, कमर सीधी रखें। अब हाथों को सीने के पास लाएं और दोनों हथेलियों को मिलाकर प्रणाम की अवस्था बनाएं।

सूर्य नमस्कार करते समय की सावधानियां – सूर्य नमस्कार को सुबह ताजी हवा में खाली पेट करें। शुरुआत में इसे धीरे–धीरे करें। शरीर को निरोग बनाने के लिए नियमित योगाभ्यास करना जरूरी है तभी हमारा शरीर निरोगी हो सकता है।

शक्ति और ऊर्जा का अमूल्य स्रोत है सूर्य–नमस्कार

जौनपुर। मकरसंक्रांति सूर्योपासना का एक आध्यात्मिक पर्व है और इस मौके पर पतंजलि योग समिति के हजारों योग प्रशिक्षकों के द्वारा आनलाइन और आफलाइन सूर्य–नमस्कार को कराकर लाखों लोगों को भारत की प्राचीनतम आध्यात्मिक आसनों के समूह से अवगत कराते हुए उनसे होनें वाले लाभों को भी बताया। वरिष्ठ सर्जन डा के.पी.यादव और डा आर.पी.यादव के नेतृत्व में आयोजित हुए शिविर में उनके द्वारा बताया गया की सूर्य–नमस्कार आरोग्यता, शक्ति और ऊर्जा का अमूल्य स्रोत है जिसे हर व्यक्ति को अपनी जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना चाहिए इसके अतिरिक्त नियमित रूप से अपनी शक्ति और सामर्थ्य के अनुसार किसी भी खेल को खेलकर, तैराकी और दौड़ लगाकर अपनें स्वास्थ्य को सर्वोत्तम बनाया जा सकता है। पतंजलि योग समिति के प्रान्तीय सह प्रभारी अचल हरीमूर्ति और जिला प्रभारी शशिभूषण के द्वारा सूर्य–नमस्कार का अभ्यास कराते हुए बताया गया की अमृत महोत्सव के तहत पचहत्तर करोड़ बार सूर्य–नमस्कार को कराकर इससे होनें वाले मनोदैहिक लाभों को पूरी दुनियां में पहुंचानें के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है जिसमें समाज के सभी प्रबुद्ध जनों के द्वारा इसके दिव्यतम लाभों को बताया जा रहा है। लक्ष्मीशंकर, राजेश सिंह, अम्बिका सिंह, महेंद्र विश्वकर्मा, गायत्री, सादिक अली,अनिल यादव, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी शम्भुनाथ,डा हेमंत,डा धर्मशीला गुप्ता, संतोष,हरीनाथ आदि उपस्थित रहे।

बसपा ने स्वामी प्रसाद मौर्य पर कसा तंज, कहा- सपा को गाली देने वाले उसकी ही गोद में जा बैठे

लखनऊ(आरएनएस)। स्वामी प्रसाद मौर्य ने भले ही भाजपा का दामन छोड़कर समाजवादी पार्टी ज्वाइन की है लेकिन इससे बसपा की उम्मीदों पर भी कुटाराघात हुआ है। स्वामी प्रसाद मौर्य भाजपा से पहले बसपा में ही थे। बसपा ने अब स्वामी प्रसाद का पुराना वीडियो जारी कर बताया है कि वह किस तरह से सपा को कोसते थे।

बसपा के महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने खुद वीडियो को सोशल मीडिया साइट कू ऐप पर शेयर किया है। दरअसल, पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को सपा की सदस्यता लेने के साथ बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष पर निशाना साधा तो बसपा ने भी पलटवार करने में देरी नहीं की। पार्टी के महासचिव और सांसद सतीश चंद्र मिश्र ने पूर्व मंत्री मंत्री मौर्य के बड़बोलेपन को ही आधार बनाया है। मिश्र ने मौर्य की ओर से पूर्व में दिए गए बयान का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करते हुए लिखा है कि अपने पुराने वक्तव्य को ही याद कीजिए, समाज को बांटने वाली भाजपा व अपराधियों को संरक्षण देने वाली समाजवादी पार्टी में अब जाकर मौर्य जी आप समाज को क्या संदेश दे रहे हैं? समाजवादी पार्टी को गाली देने वाले आज खुद समाजवादी की गोद में जाकर बैठ गए हैं। वीडियो में पूर्व मंत्री ने सपा पर महिलाओं का उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए सपा को गुंडों व अपराधियों की पार्टी करार दिया है।

आरक्षित जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट/मास्टर ट्रेनरों को ईवीएम संचालन का दिया गया प्रशिक्षण

रायबरेली । विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल निष्पक्ष, निर्भीक व शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए समस्त मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में समस्त आरक्षित जोनलध्सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं अब तक अनुपस्थित जोनलध्सेक्टर मजिस्ट्रेटध्मास्टर ट्रेनरों को ईवीएम प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। सहायक नोडल अधिकारी प्रशिक्षणधजिला समाज कल्याण अधिकारी डा0 वैभव त्रिपाठी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय वीरेन्द्र कनौजिया तथा उनके सहायोगी समाज कल्याण विभाग के कनिष्ठ सहायक राजकरन ने जोनलध्सेक्टर मजिस्ट्रेटो कों प्रशिक्षण कराया गया। जो भी दायित्व निर्वाचन आयोग द्वारा दिया गया है उसे भली-भांति सम्पन्न कराये। आरक्षित जोनलध्सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में मास्टर ट्रेनरों द्वारा दिये गये प्रशिक्षण को बार-बार लेने में किसी भी प्रकार को कोताही न बरते। सभी जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट पूरी चुनावी प्रक्रिया को भली-भांति जान लें जिससे मतदेय स्थल पर की जा रही पूरी प्रक्रिया का अवलोकन कर सकें। जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट ई0वी0एम0 व वी0वी0पैट के परिचालन, कनेक्शन, माकपोल आदि को भली-भांति सीख लें, जिससे मतदान दिवस पर किसी भी समस्या का तत्काल निराकरण कर सकें। मतदान के दिनध्मतदान के पूर्वध्मतदान के बाद क्या करना है इसे भली-भांति जोनलध्सेक्टर मजिस्ट्रेट जान लें। अपने क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का शत-प्रतिशत अनुपालन होना भी देख लें।

इसके आलावा वल्नरेबिल व संवेदनशीलता को भी देख लें तथा इसमें कमी लाने का भी प्रयास किया जाये। मतदान केन्द्रों पर सभी मूल-भूत सुविधाएं बिजली-पानी, शौचालय, रैम्प आदि पूरी तरह से दुरूस्त रखवायें। पोलिंग पार्टी के प्रस्थान के समय दी जाने वाली साम्रगी ईवीएम-वीवीपैट आदि का भी ध्यान रखना भी जरूरी है। मतदान दिवस पर जोनलध्सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने पोलिंग स्टेशन का भ्रमण करें तथा मतदान के दिन समय-समय पर दी जाने वाले सूचनाओं को भी दें। इसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण निर्वाचन से सम्बन्धित जानकारी भी दी गई। मतदान के दौरान आने वाली समस्याओं व उनके समाधान पर विस्तार पर विस्तार से चर्चा की। ई0वी0एम0 व वी0वी0 पैट को सील करने की प्रक्रिया को समझाया तथा पीठासीन की डायरी, मतदान अभिकर्ता के फार्म, मतपत्र लेखा, मतदाता रजिस्टर आदि पर भी विस्तार से चर्चा की । प्रशिक्षण के दौरान 50 में से 14 आरक्षित सेक्टर मजिस्ट्रेट, 12 में से 6 आरक्षित मास्टर ट्रेनर अनपुस्थित रहे। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी एस0एन0 चौरसिया, जिला सूचना कार्यालय के बड़े लाल यादव सहित आरक्षित सेक्टरध्जोनल मजिस्ट्रेटध्मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

महीनों दौड़ने के बाद भी मुकदमा दर्ज नहीं कर रही है पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। एक तरफ प्रदेश में राम राज की बात हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ पुलिस है कि सुधरने को तैयार नहीं है अधिकारियों के लाख दिशा देने वह समझाने के बावजूद या समझने को तैयार नहीं छोटे-छोटे काम के लिए महीनों दौड़ाना या इनकी आदत मे शुमार हो गया है। बताते चलें कि जनपद मुख्यालय के मोहल्ला खलवा की एक महिला पारिवारिक हिंसा दहेज उत्पीड़न के मामले में महीनों से दौड़ रही है , पर पुलिस महिला का रिपोर्ट ना लिखकर बार-बार न्यायालय जाने की सलाह दे रही है ऐसे में जिले के उच्च अधिकारियों से भी उक्त महिला ने गुहार लगाई पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई अब क्या हर मामले में पुलिस अधीक्षक ही कार्यवाही करेंगे अगर उन्ही को थाना कोतवाली चलाना है तो इतनी छोटी बात के ही क्या है। प्रशासन ऐसे में जिम्मेदार कर्मियों को कब रास्ते पर लाएगी। जिससे जनता को हर मामले में उच्च अधिकारियों के यहां दस्तक ना दे ना पड़े।

क्षेत्राधिकारी पिपरी नें पैरामिलिट्री रूकने वालें बिद्यालयों का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। क्षेत्राधिकारी पिपरी प्रदीप सिंह चंदेल वअनपरा पुलिस

द्वारा पैरामिलिट्री और रुकने वाले विद्यालयों का निरीक्षण किया गया जिसमें आदित्य बिरला इंटर कॉलेज डीएवी कॉलेज ककरी कॉलोनी अवधूत राम महाविद्यालय सुभाष बालिका इंटर कॉलेज ऑडी राम लखन सत नारायण इंटर कॉलेज डिबुलगंज प्रमुख रहे।

कोविड-19 वैश्विक महामारी में टीकाकरण अभियान सराहनीय कार्य के लिए जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान को किया सम्मानित

टीकाकरण अभियान में सराहनीय कार्य करने वाले ग्राम प्रधानों को किया जायेगा सम्मानितः जिलाधिकारी

सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री टी0के0 शिबु द्वारा कल शामं को कलेक्ट्रेट सभागार में कोविड-19 वैश्विक महामारी से बचाव हेतु किये जा रहे टीकाकरण अभियान के अन्तर्गत ग्राम सभा में शत-प्रतिशत टीकाकरण पूर्ण कराने का सराहनीय कार्य करने के लिए चतरा ब्लाक के तियराकला गांव के ग्राम प्रधान श्रीमती अनीता पाण्डेय को साल ओढ़ाकर व प्रतीकचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित ग्राम प्रधान व अन्य लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी से बचाव का एक मात्र उपाय टीकाकरण है, आप लोगों ने टीकाकरण के इस अभियान को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, जनपद के अन्य ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधान भी इस टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करें, जिससे कि लोग कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से अपने को सुरक्षित रख सकें। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिन ग्राम प्रधान को आज टीकाकरण अभियान में शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिए सम्मानित किया गया है, इनको जनपद की उन ग्राम सभाओं में ले जाकर जहां टीकाकरण की रफ्तार धीमी है, इनके माध्यम से उन ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधान गणों को प्रोत्साहित किया जाये, जिससे उन ग्राम सभाओं में भी टीकाकरण की रफ्तार में तेजी लायी जा सके। उन्होंने जनपद में टीकाकरण अभियान में अच्छे कार्य करने वाले ग्राम प्रधानों को सम्मानित करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया जाये, जिसमें उन ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया जाये। अपर जिलाधिकरी श्री राकेश सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 रमेश सिंह ठाकुर, जिला पंचायत राज अधिकारी श्री विशाल सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

टीकाकरण अभियान में लाये तेजी- नोडल अधिकारी जुहेर बिन शगीर

15 से 18 वर्ष के आयु के किशोरों को भी शत-प्रतिशत टीके के प्रथम डोज टीकाकरण कराया जाये सुनिश्चित-नोडल अधिकारी जुहेर बिन शगीर

सोनभद्र। जनपद के नोडल अधिकारी श्री जुहेर बिन शगीर (विशेष सचिव, सामान्य प्रशासन) ने आज सर्किट हाउस के सभागार में कोविड-19 के रोक-थाम हेतु जनपद में कराये जा रहे कार्यो व कोविड-19 टीकाकरण के प्रगति के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में नोडल अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी 18 वर्ष से अधिक आयु के पात्र व्यक्तियों को शत-प्रतिशत प्रथम डोज एवं द्वितीय डोज टीकाकरण कराया जाना सुनिश्चित किया जाये और जनपद में 15 से 18 वर्ष के आयु के किशोरों को भी शत-प्रतिशत टीके के प्रथम डोज कराया जाना सुनिश्चित करें। जनपद में संचालित निगरानी समितियों एवं इन्टीग्रेटेट कोविड कामन सेन्टरध्आई0सी0सी0 को पूर्णतः सक्रिय किया जाये और निगरानी समितियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाये, उनके आवंटित क्षेत्रों में किन व्यक्तियों ने अभी तक टीकाकरण नहीं कराया गया है, उसके सम्बन्ध में सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे टीकाकरण के रफ्तार में तेजी लाया जा सके। इसी प्रकार होम आईसोलेशन में आये हुए व्यक्तियों के साथ चिकित्सक तथा निगरानी समितियों का सम्पर्क स्थापित रहें और कोरोना लक्षण युक्त व्यक्तियों को होम आईसोलेशन में ईलाज एवं उनकी निरन्तर मानीटरिंग की जाये और कोविड पॉजिटीव व्यक्तियों को मेडिसीन किट की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय। लोगों को मास्क का प्रयोग करने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने हेतु जागरूक भी किया जाये। ठण्ड के दृष्टिगत रैन बसेरों में समुचित प्रबन्ध तथा चिन्हित स्थानों पर अलाव आदि की बेहतर ढंग से व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 अमित पाल शर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 रमेश सिंह ठाकुर, परियोजना निदेशक श्री आर0एस0 मौर्या, जिला स्तरीय अधिकारीगण व चिकित्सकगण सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

उपजिलाधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहगंज का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उपजिलाधिकारी घोरावल ने शनिवार क्षेत्रीय भ्रमण

के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज का निरीक्षण किया। वहां पर कोरोना टीकाकरण के बारे में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। साथ ही आशा व एएनएम को अपने अपने क्षेत्र में 15 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीकाकरण हेतु प्रेरित करने तथा निगरानी समितियों के द्वारा अधिक से अधिक टीकाकरण कराने हेतु सभी को निर्देशित किया। इस अवसर पर एस डी एम रमेश कुमार ने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि कोशिश नियमों का पालन करते हुए मरिजो का उपचार करें,जिन लोगों को प्रथम व द्वितीय डोज नहीं लगा है ऐसे लोगों को ग्राम पंचायत निगरानी समितियों के माध्यम से सम्पर्क कर शत प्रतिशत टीकाकरण कराएं।

जिला कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण सम्पन्न

रायबरेली। जिला कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन रायबरेली की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का शपथ ग्रहण बार एसोसिएशन के हाल कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुआ। राम प्रसाद यादव को अध्यक्ष पद की शपथ सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डी.पी. पाल ने, नर सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद की शपथ लक्ष्मीशंकर बाजपेयी ने महासुख चौधरी को महामंत्री पद की शपथ ओ.पी. यादव ने राजो कुमार यादव, श्याम लाल धीमान को कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद की शपथ एल्डर कमेटी के सदस्य माता प्रसाद यादव ने कुमार गौरव को कोषाध्यक्ष पद की शपथ कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद यादव ने दातादीन यादव, विश्वनाथ चौधरी, अमरदीप सिंह को संयुक्त मन्त्री पद की शपथ एल्डर कमेटी के सदस्य शत्रुघ्न मिश्रा ने राम कृष्ण यादव, रमेश कुमार यादव, धर्मेश कुमार को वरिष्ठ कार्यकारिणी पद की शपथ एल्डर कमेटी के सदस्य विष्णुपाल चौधरी ने रामलखन, लल्लन त्रिपाठी, राम प्रकाश यादव को वरिष्ठ कार्यकारिणी पद की शपथ सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री गंगा प्रसाद यादव ने सुभाष चन्द्र, निखिल आनन्द को कनिष्ठ कार्यकारिणी पद की शपथ कलेक्ट्रेट बार के पूर्व अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने लाल बहादुर यादव, सत्येन्द्र कुमार श्रीवास्तव को कनिष्ठ कार्यकारिणी पद की शपथ पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता राजस्व दिनेश कुमार यादव ने दिलायी। इस अवसर पर ग्यारह वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व महामन्त्री रमाकान्त चौधरी ने किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं महामन्त्री ने अधिवक्ता हित में कार्य करने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष राम बख्श मौर्य, सुरेश सिंह चौहान, निखिल आनन्द, संजीव पान्डे आदि लोग उपस्थित रहे।

15 से 17 वर्ष के किशोरों के टीकाकरण में जिला 45.59 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल करके प्रदेश में चौथे स्थान पर

बस्ती। रामनगर, सल्टौआ गोपालपुर, बस्ती सदर, बनकटी, परसरामपुर, गौर तथा हर्रैया ब्लाक में कोविड टीकाकरण का कार्य काफी अवशेष है। यहॉ पर तैनात अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर दो दिन के भीतर लक्ष्य पूरा करें। उक्त निर्देश जिलाधिकारी श्रीमती सौम्या अग्रवाल ने जूम माध्यम से आयोजित बैठक में दिया है। उन्होने कहा कि इन ब्लाक के प्रत्येक गॉव में प्रतिदिन 100-100 टीके लगवाये जाय। फर्स्ट डोज लगभग 88 प्रतिशत हो गया है, इसलिए सेकेण्ड डोज तथा 14 प्लस के व्यक्ति टीकाकरण के लिए चिन्हित किए जाय।

उन्होने निर्देश दिया है कि ग्राम पंचायत अधिकारी, पंचायत सहायक तथा रोजगार सेवक सेकेण्ड डोज तथा 14 प्लस के व्यक्ति का सर्वे करके नयी ड्यूलिस्ट तैयार कर लें। इनकी यह भी जिम्मेदारी होगी कि टीकाकरण टीम के गॉव में पहुॅचने पर इन व्यक्तियों को लाकर टीका लगवायेंगे। उन्होने बताया कि कुल किशोरो की संख्या लगभग 171724 है, जिसमें से 113599 का टीकाकरण कराया जा चुका है। सर्वे में अवशेष किशोरों को चिन्हित कर ड्यूलिस्ट तैयार किया जाना है।

उन्होने बताया कि जिले में कुल 1908043 मतदाता है। जिले में अबतक 45 वर्ष से अधिक आयु के 1085266 लोगों को टीका लग चुका है। 18 से 44 वर्ष के 1455169 तथा 15 से 17 वर्ष के 113599 किशोरो को टीका लगाया गया है। इसमें से 5297 लोगों को बूस्टर डोज भी लग चुका है।

उन्होने बताया कि जिले की कुल 11 नगर निकाय के 113 वार्ड में 135450 के सापेक्ष 127112 लोगों का टीकाकरण कराके कोविन पोर्टल पर विवरण दर्ज कर दिया गया है। उन्होने बताया कि 15 से 17 वर्ष के किशोरों के टीकाकरण में जिला 45.59 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल करके प्रदेश में चौथे स्थान पर है। फर्स्ट डोज 87.79 प्रतिशत लोगों को लगाकर प्रदेश में 55वें तथा सेकेण्ड डोज 60.55 प्रतिशत लगाकर प्रदेश में 10वें रैंक पर है। उन्होने कहा कि 20 जनवरी के पूर्व टीकाकरण का शतप्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाना है।

जिलाधिकारी ने मीटिंग में ब्लाकवार टीकाकरण के लिए अवशेष लोगों की संख्या ज्ञात करते हुए योजनाबद्ध ढंग से उनका टीकाकरण कराने का निर्देश दिया है। उन्होने कहा कि अत्यधिक तबियत खराब होने या गर्भवती महिला का टीका न लगाया जाय परन्तु उनकी सूची तैयार कर आशा एवं आगनबाडी उनके स्वस्थ होते ही टीकाकरण करना सुनिश्चित करें। पकड़ी नसीर में ड्यूलिस्ट न होने पर उन्होने सीडीपीओ का स्पष्टीकरण तलब किया है। उन्होने कहा कि नगर पालिका परिषद में हड़ताल खतम होने के बाद टीकाकरण कार्य में तेजी लायी जाय। उन्होने कहा कि प्रत्येक वार्ड में 250 लोगों को टीका लगाया जाय। उन्होने कहा कि जिन नगर पंचायतों में वार्ड निर्धारण नही हुआ है, वहॉ ग्राम पंचायत को इकाई मानकर सर्वे एवं टीकाकरण कराया जाय। जूम मीटिंग में सीडीओ डॉ. राजेश कुमार प्रजापति, सीआरओ नीता यादव, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ए सडीएम हर्रैया अमृत पाल कौर, आनन्द श्रीनेत, गुलाब चन्द्र, जी. के. झा, ब्लाकवार नामित जिला स्तरीय अधिकारी, सभी बीडीओ, एमओआईसी, सीडीपीओ, एबीएसए, एडीओ पंचायत जुड़े रहें।

लायंस क्लब ने अन्न दान कर मनाया मकर संक्रांति महापर्व

.मां ज्वालामुखी स्थित नेकी की दीवार के माध्यम से खिचड़ी व गुड़ का हुआ वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

शक्तिनगर/सोनभद्र। लायंस क्लब विद्युत विहार के सदस्यों

ने आदि शक्ति पीठ मां ज्वालामुखी मंदिर स्थित नेकी की दीवार के माध्यम से जरूरतमंदों को अन्न दान कर मकर सक्रांति महापर्व मनाया। इस अवसर पर जरूरतमंदों के बीच खिचड़ी वाला गुड़ का वितरण विशेष रूप से किया गया। क्लब अध्यक्ष लॉयन नटवर दास अग्रवाल व केवी मिश्रा के संयुक्त तत्वाधान व सौजन्य से कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शक्तिनगर थाना प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश कुमार मिश्रा, ज्वालामुखी मंदिर मुख्य पुजारी श्लोकी प्रसाद मिश्रा, सर्वेश सिंह, ओपी बंसल, सत्य प्रकाश सिंह, अनिल सिंह, अमित राज, मानस अग्रवाल व नगर के प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

75 में 58 प्रतिशतत लक्ष्य हासिल किया

जौनपुर । कलेक्ट्रेट सभागार में कोविड-19 टीकाकरण की समीक्षा बैठक करते हुए अपर आयुक्त एवं अपर निबंधक ध्जनपद नोडल अधिकारी राजेंद्र प्रसाद, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी0 डॉ लक्ष्मी सिंह और अन्य अधिकारीगण की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। नोडल अधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि पहला और दूसरा डोज शीघ्र लगवा लिया जाए। टीकाकरण से सम्बन्धित डाटा फीडिंग का कार्य पोर्टल पर भी प्रदर्शित हो। उन्होंने गोवंश को गौ-संरक्षण केंद्रों में रखने के निर्देश दिए साथ ही गौशाला में अलाव की व्यवस्था करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि रैन बसेरे में मूलभूत सुविधाओं की कमी न होने पाए। बैठक में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी नरेन्द्र सिंह द्वारा बताया गया कि द्वितीय डोज की प्रगति के लिए जो 20 जनवरी तक 75 प्रतिशत प्राप्त करने का लक्ष्य शासन द्वारा दिया गया है अब तक जनपद में 58 प्रतिशत प्राप्त किया गया है। नोडल अधिकारी ने इसको 75 प्रतिशत प्राप्त करने के निर्देश दिए साथ ही 15 से 18 वर्ष के किशोरों की प्रगति की समीक्षा भी की जिसको शत-प्रतिशत करने का शासन को निर्देश प्राप्त है जिसमें जनपद में लगभग 35 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है जो विगत 03 जनवरी से शुरू किया गया था इसमें कुल 3 लाख 15 हजार बच्चों को टीकाकरण कराना है जिसमें 105226 टीकाकरण किया जा चुका है जिसे नोडल अधिकारी ने शत-प्रतिशत टीकाकरण की उपलब्धि हासिल करने की सख्त निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा टीकाकरण की डाटा फीडिंग आनलाइन पोर्टल पर शीघ्र करा ले जिससे ऑफलाइन व ऑनलाइन आकडा समान प्रर्दशित हो। उन्होंने डीपीआरओ, डीएसओ, डीओआईएस को डबल डोज वैक्सीनेशन में सराहनीय कार्य करने के लिए प्रशंसा की।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत 17 जनवरी तक वितरित होगा निःशुल्क खाद्यान्न

बहराइच। वितरण माह जनवरी 2022 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत जनपद के समस्त अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारकों को 17 जनवरी 2022 तक वितरण किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए जिला पूर्ति अधिकारी अन्नत प्रताप सिंह ने बताया कि पूर्व में वितरण की अन्तिम तिथि 15 जनवरी निर्धारित थी जिसे बढ़ाकर 17 जनवरी 2022 कर दिया गया है।

जनता भाजपा के साथ, घर. घर मिल रहा आशीर्वाद : अचिन मेहरोत्रा

लाभार्थी संपर्क अभियान, चौथे दिन भी घर.घर दी दस्तक

सीतापुर। आम जनमानस भाजपा के साथ हैए हर घर से भाजपा को आशीर्वाद मिल रहा है। इसके देखकर लग रहा है कि लोग भाजपा की योजनाओं से संतुष्ट हैं और वे पुनरू भाजपा की सरकार बनाएंगे। यह बात . भाजपा जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने रामकोट मंडल के सेक्टर मध ावापुर के बूथ संख्या 201 पर कही। जिलाध्यक्ष लाभार्थी संपर्क अभियान के तहत जनसंपर्क को निकले थे। मधवापुर में घर.घर दस्तक देने दौरान जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने पूरी हुई हर आस, घर.घर हुआ विकास के स्टीकर घरों की दीवारों पर लगाए। इस दौरान लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में बताया। घर.घर दस्तक देकर सरकार की उपलब्धियों का पत्रक भी दिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार ने बगैर भेदभाव के जनहित की योजनाएं बनाई और उनको अमली जामा पहनाया। बहुत से ऐसा परिवार जिनके लिए पक्का मकान एक सपना भर था। उन सपनों को भाजपा सरकार ने साकार किया। यही वजह है कि भाजपा कार्यकर्ता जिस दरवाजे पर पहुंच रहा है लोग उसका खुले दिल से स्वागत कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष योजनाओं का लाभ पाने वाले लाभार्थियों के घर गए और उन्होंने लाभार्थियों को चंदन और कुमकुम का तिलक लगाकर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को बताने वाला पत्रक दिया और एक बार फिर से भाजपा को वोट देने की अपील की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा जो कहती है भाजपा वो करती है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में लोगों को मुफ्त राशन दिया गया। प्रदेश सरकार भी मुफ्त राशन तेल, नमक, दाल आदि का वितरण करवा रही है। सभी लोगों को मुफ्त टीका लगाया जा रहा है। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी पवन सिंह, मुकेश मिश्रा, अनूप पांडेय, अमित दीक्षित, उमाशंकर, अजय वर्मा, शिव प्रसाद, रामचंद्र आदि मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने दो बूथों का किया निरीक्षण

कछौना/हरदोई।तीसरी लहर के चलते टीकाकरण की जमीनी हकीकत को जानने के लिए मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना ने दो टीकाकरण बूथों का निरीक्षण किया। पंचायत सहायक अनुपस्थित पाए जाने पर खंड विकास अधिकारी को पंचायत सहायक के खिलाफ कार्यवाई का निर्देश दिया। बताते चलें कि वर्तमान समय में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। प्रभारी अधीक्षक डॉ किसलय बाजपेई ने बताया,कोविड–19 के संक्रमण को रोकने का एकमात्र उपाय कोविड–19 गाइडलाइन के अनुसार जीवन पद्धति जीना होगा। कोरोनावायरस रोकने के लिए समय–समय पर हाथ ध ोना,मास्क व टीकाकरण ही उपाय है। स्वास्थ्य विभाग की टीम नेतृत्व में आंगनबाड़ी,शिक्षा विभाग,पंचायत विभाग, पूर्ति विभाग,ग्राम प्रधानगण,जनप्रतिनिधियोंसामाजिक कार्यकर्ताओं ने टीम भावना से विकासखंड कछौना ने टीकाकरण में अच्छा लक्ष्य प्राप्त किया है।अब वैक्सीन किशोरों को 15 से 18 वर्ष के लिए भी आ गई है।टीकाकरण में लगाई गई टीमें घर–घर जाकर सर्वे कर प्रथम डोज लगवाने वालों को व दूसरी डोज से वंचित लोगों व 15 से 18 वर्ष के किशोरों की सूची बनाई जा रही है। जिन्हें टीकाकरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वहीं 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को कोविड–19 टीके की बूस्टर डोज दी जानी चाहिए।क्योंकि अब टीके की कमी जैसी कोई समस्या नहीं है। इसलिए उन लोगों को भी बूस्टर डोज देने के बारे में सोचा जाना चाहिए जिन्हें टीके की दोनों खुराक के लिए आठ से नौ माह बीत चुके हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने टीकाकरण को शतप्रतिशत करने का निर्देश दिया। इस दौरान प्रभारी अधीक्षक डॉ किसलय बाजपेई,खण्ड विकास अधिकारी प्रमोद अग्रवाल,एडीओ पंचायत प्रभारी संतोष कुमार, सहायक निदेशक बचत यशवीर सिंह,स्वास्थ्य कर्मी अमित सिंह,प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

जिला अधिकारी की अनुमति के बाद तीन राशन माफियाओं पर मुकदमा दर्ज

हरदोई।अरवलथाना क्षेत्र के किर्तियांपुर गांव में बुधवार की रात अरवल पुलिस के छापेमारी में पकड़े गए सरकारी राशन गेहूं और चावल के मामले में जिला अधिकारी अविनाश कुमार के आदेश से पूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर तीन राशन माफियाओं पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दिया है। थाना अध्यक्ष अरवल राजपाल ने किर्तियापुर गांव में मुखबिर की सूचना पर एक मकान पर छापा मारा,जिसमें 232 बोरी चावल व 11बोरी गेहूं बरामद किया था।पुलिस ने रात में ही मकान के मुख्य द्वार व तीन कमरों में भरे सरकारी राशन को सील कर दिया। छापेमारी के दौरान पुलिस व आरोपियों के बीच करीब एक घंटे तक तीखी नोकझोंक व झड़प हुई थी। झड़प के बीच थी पुलिस को चकमा देकर मुख्य आरोपी मौके से फरार हो गया। रात भर गांव में पुलिस तैनात रही। पूरे मामले की सूचना उप जिलाधिकारी सवायजपुर स्वाति शुक्ला को दी गई। एसडीएम के निर्देश पर सुबह मौके पर तहसीलदार सवायजपुर नारायन सिंह,क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ओपी राना, पूर्ति निरीक्षक अर्चना सिंह एसएफसी गोदाम प्रभारी रामप्रकाश मिश्रा मौके पर पहुंचे।तहसील अफसरों के सामने राशन की सरकारी बोरियों की गिनती कराई गयी। सरकारी राशन के बोरियों की गिनती के दौरान तहसील अफसरों को 2017–18 व 2020–21 की राशन की बोरियां मिली हैं। सभी गेहूं चावल की सील बंद बोरियों पर उत्तर प्रदेश सरकार का लोगो लगा हुआ था।पूरे मामले में आसपास के आधा दर्जन से अधिक कोटेदारों का राशन होना बताया जा रहा है। राशन माफिया के बीच के कोटेदारों के अलावा फर्रुखाबाद जिले के सीमावर्ती गांव के कोटेदारों से भी संपर्क रखता था। राशन माफिया जिनसे सस्ते दामों पर राशन खरीद कर बाजार में बेचता था। सूत्रों की मानें तो यह काला कारोबार कई वर्षों से सफेदपोश नेताओं और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से फल–फूल रहा था। यह गोरखधंधा पिछले कई वर्षों से खुलेआम किया जा रहा था। तहसील प्रशासन से लेकर कुछ सफेदपोश उसे भी उसके साथ जुड़े बताए जा रहे हैं। क्षेत्र के कई कोटेदारों से भी राशन माफियाओं का संपर्क बना रहता था जिनसे सस्ते दामों में गेहूं चावल खरीद कर गैर जनपद में बिक्री किया जाता था। थानाध्यक्ष अरवल राजपाल सिंह ने बताया कि सवायजपुर तहसील की पूर्ति निरीक्षक अर्चना सिंह की तहरीर पर मुख्य आरोपी महेंद्र उर्फ पप्पू पुत्र सुंदरम व भाई जितेंद्र कुमार के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया है।

जिलाध्यक्ष भाजपा ने लाभार्थियों संग खाई खिचड़ी भोज

हरदोई।मकर सक्रांति के त्योहार पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने खनिगावाँ खुर्द के पूर्व प्रधान राजबहादुर गौतम, अन्टवा में आयोजित खिचड़ी भोज में केन्द्र और प्रदेश सरकार के लाभार्थियों के साथ खिचड़ी खाई और चर्चा की। जिला अध्यक्ष ने भोजन उपरांत लोगों से मिल कहा कि 1947 से अब तक किसी भी सरकार में इतनी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ इतने व्यापक स्तर पर समाज के दबे पिछड़े लोगों को नही मिली। भाजपा सरकार में करोड़ों की संख्या में लाभार्थी सीधे लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सपा सरकार में गरीबों का राशन माफिया डकार जाते थे। गरीबों के आवास के पैसे से समाजवादियो की कोठियां खड़ी हो गई। केंद्र से जो पैसा बच्चों के संस्कृतिक और मानसिक विकास कार्यों में लगाना था वह सैफई में नाच गानों के कार्यक्रम पर उड़ाए जाते थे। जनता किसी के बहकावे में नहीं आने वाली, उसे पता है कि उसकी नई पीढ़ी का भविष्य भाजपा में ही सुरक्षित है।खिचड़ी भोज के अवसर पर पिछड़े मोर्चे के उपाध्यक्ष देवव्रत कुशवाहा,कछेलिया के नि.प्रधान सर्वेन्द्र अग्निहोत्री, शंकरपुर प्रधान चरण सिंह कुशवाहा,बैजुपुर प्रधान नरेन्द्र कुशवाहा,राकू शुक्ला,सुरेन्द्र गौतम के साथ बड़ी संख्या में लाभार्थी रहे।

गैंगस्टर में वांछित शातिर इनामी अभियुक्तदेशी तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार

हरदोई।पुलिस द्वारा गैंगस्टर में वांछित 25 हजार रूपये के पुरूस्कार घोषित 1 शातिर अभियुक्त को कछौना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। आगामी विधानसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत अपराध व अपराधियों पर नियन्त्रण हेतु पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) हरदोई के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी बघौली के कुशल नेतृत्व में थाना कछौना पुलिस द्वारा 25000 रू के घोषित शातिर अभियुक्त रामकिशोर पाल पुत्र महेशपाल निवासी ग्राम टिकुवामऊ थाना कछौना जनपद हरदोई को 1 देशी तमंचा 12 बोर व 1 जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ थाना क्षेत्र से टिकवामऊ मोड़ से करीब 200 मीटर दूरी पर बहद ग्राम टिकवामऊ से गिरफ्तार किया गया। यह अभियुक्त थाना अतरौली से गैंगस्टर के मु०अ०स० 662ध्21 धारा 2ध्3 गैंगेस्टर अधिनियम में एक वर्ष से फरार चल रहा था। इस पर थाना अतरौली में कई मुकदमें पहले से भी दर्ज हैं। वांछित को गिरफ्तार करने वाले टीम में थाना कछौना प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह,एसआई पुष्कर वर्मा,कांस्टेबल हर्षेन्द्र बहादुर सिंह, कांस्टेबल अरूण कुमार, कांस्टेबल रोहित कुमार रहे।

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के चलते हैलट में सर्जरी और मेडिसिन में 100 तो अन्य ओपीडी के बनेंगे केवल 50 पर्चे

कानपुर। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण ने परेशानियां बढ़ा दी हैं। बेकाबू संक्रमण के चलते एक बार फिर से पाबंदियां बढ़ने जा रही है। जीएसवीएम के हैलट अस्पताल में फैलते कोरोना संक्रमितों को देखते हुए ओपीडी पर्चों को बहुत कम कर दिये जायेंगे। हैलट में कोरोना संक्रमित 100 मरीज भर्ती होने पर ओपीडी में 50 मरीज ही देखे जाएंगे। सिर्फ सर्जरी और मेडिसिन में 100 मरीज देखे जायेंगे। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजय काला ने बताया कि बढ़ते संक्रमण को देखते हुए यह पाबंदी कोरोना नार्म्स के तहत लागू की जायेगी। अभी तक यहां पर 50 कोरोना के मरीज भर्ती हैं।

हैलट अस्पताल के प्रिंसिपल डॉक्टर संजय काला ने बताया कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए ओपीडी को सीमित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि कोरोना के 100 मरीज हैलट में भर्ती होते ही सर्जरी विभाग और मेडिसिन में ओपीडी के लिए अधिकतम 100 पर्चे ही बनेंगे। जबकि आर्थो,ईएनटी, ओथ्थलमो,पेड्रियाटिक और स्किन सहित सभी ओपीडी पर्चों की संख्या 50–50 निर्धारित कर दी गई है। बता दें इससे पहले भी कोरोना की दूसरी लहर के बीच हैलट में ओपीडी पर पाबंदियां लगा दी गई थीं। डॉ काला ने बताया कि गंभीर मरीजों को हर संभव इलाज देने में कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी। जैसे ही स्थित नियंत्रण में आएगी वैसी ही सारी सेवाएं सामान्य कर दी जाएंगी । मरीजों की बढ़ेंगी दिक्कतें,कई जिलों से आते हैं मरीज : हैलट अस्पताल में ओपीडी को सीमित किए जाने से मरीजो के इलाज पर सीधा असर पड़ेगा। सामान्य दिनों में हैलेट में लगभग डेढ़ से दो हजार तक पर्चे रोज बनते हैं।अब संख्या सीमित होने से सैकड़ो मरीजों को वापस लौटना पड़ेगा। इससे सामान्य रोग वाले मरीजों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। चूंकि हैलेट अस्पताल ना केवल कानपुर के मरीजों का का इलाज होता है,बल्कि आस पास के जिलों के रोगी भी इलाज के लिए यहां आते हैं। ऐसी स्थिति में मरीजों की इलाज को लेकर दिक्कतें बढ़ना स्वाभाविक है।

कटियारी में पम्मू यादव ने ब्राह्मणों को अपने पाले में करने हेतु किया खेला

हरदोई।हरपालपुर कटियारी के सवायजपुर विधान सभा क्षेत्र से सपा के संभावित प्रत्याशी पद्म राग सिंह पम्मू यादव ने ब्राह्मणों को अपने पाले में करने के लिए दांव चल दिया है। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर प्रदेश सचिव बनने के बाद विमल प्रकाश मिश्रा का भव्य स्वागत किया गया।इस मौके पर भाजपा,बसपा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सपा में शामिल हुए। इस अवसर पर कमलेश दीक्षित पूर्व प्रधान,विवेक दीक्षित पूर्व प्रधान,हरेराम मिश्रा पूर्व प्रधान,राकेश पांडे प्रधान हँसेपुर,देवेश मिश्रा पूर्व प्रधान दुर्गागंज,प्रीतेश दीक्षित,कल्लू पंडित,पवन त्रिवेदी,छिद्दू सिंह पूर्व प्रधान,शिशुपाल सिंह,रनवीर सिंह पूर्व प्रधान सहित करीब दो दर्जन लोग बसपा व भाजपा छोड़कर आये लोगों को समाजवादी पार्टी में शामिल कराया गया।सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पम्मू यादव ने शामिल हुए नेताओं का स्वागत किया व सबके मान सम्मान का वचन दिया और कहा कि विमल प्रकाश मिश्रा के प्रदेश सचिव बनने से ब्राह्मण समाज समाजवादी पार्टी में मजबूती से जुड़ेगा।

कच्ची दीवार के नीचे दबकर दादी की मौत, पोती घायल

मानपुर, सीतापुर। इलाके में कच्ची दीवार पर पड़े छप्पर के नीचे लेटी दादी व पोती पर अचानक भरभराकर कच्ची दीवार गिर गई। मलबा हटाकर परिजन तत्काल घायलों को सीएचसी कसमंडा ले गये। जहाँ डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। बच्ची को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। थाना क्षेत्र के अंतर्गत घेरवा मजरा रामपुर घेरवा निवासी सुखरानी 48 पत्नी स्व. विश्राम पासी अपनी पोती सरोजनी 2 पुत्री भूरे लाल के साथ दीवार पर पड़े छप्पर के नीचे सो रही थी। रात करीब तीन बजे अचानक कच्ची दीवार इनके ऊपर गिर गई। चीख पुकार सुनकर परिजन व पड़ोसी मौके पर इकठ्ठा हो गए। मलबा हटाकर परिजन दादी व पोती को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसमंडा ले गये। जहां डॉक्टरों ने सुखरानी को मृत घोषित कर दिया। सरोजनी को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। सूचना मिलते ही मानपुर पुलिस व क्षेत्रीय लेखपाल नीरज कुमार मौके पर पहुचे। इस हादसे में छप्पर के नीचे बंधी दो बकरियों की भी दबकर मौत हो गई। छप्पर के नीचे रखा सारा गृहस्थी का सामान तहस नहस हो गया।

कोरोना को लेकर बेफिक्र लोग, प्रशासन जुटा तैयारियो में

उन्नाव। कोरोना से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयारी है और जांच से लेकर इलाज तक का माकूल बंदोबस्त के भी इन्तिजाम में जुट रहे है। लेकिन, आम लोग अब भी चेत नहीं रहे हैं। कोविड प्रोटोकाल का पालन अधिकतर जगहों पर नहीं किया जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों और बाजारों में मास्क और शारीरिक दूरी के नियम का पालन करने में भी जागरूकता नजर नहीं आ रही है। जिससे संक्रमण तेजी से बढ़ेगा, इस संभावना को देखते हुए प्रशासन अब सख्ती के साथ इसका पालन कराने को अभियान चलाएगा। बता दे कि शहर के बाजारों में धवनरोड, विश्वेश्वर दयाल मार्केट, सदर बाजार में कोविड प्रोटोकाल के पालन नही होता दिखा। वही, अधिकांश दुकानों पर शारीरिक दूरी के नियमों का कोई पालन नहीं हो रहा है। एक दूसरे से सटे बैठे ग्राहक खरीदारी कर रहे थे। इधर, हर दूसरा व्यक्ति बिना मास्क के घूमता नजर आया। दुकानदार भी किसी ग्राहक को टोक नहीं रहे थे। बाजार ही नहीं कोविड प्रोटोकाल के उल्लंघन का यह हाल सरकारी कार्यालय आने वाले फरियादियों और अस्पतालों में भी रहता है।

हैंडराइटिंग रिपोर्ट का इंतजार,दहेज हत्या की धारा में ही चलेगी विवेचना

कानपुर। आंचल की मौत के बाद परिजनों ने दो पेज का एक नोट पुलिस को सौंपा था। जिसमें लिखा हुआ था कि अगर मुझे व मेरे बेटे को खरोंच तक आती है तो सूर्यांश,निशा,भरत ग्रोवर आदि जिम्मेदार होंगे। इसमें कुल छह नाम लिखे हुए थे। पुलिस ने हैंड राइटिंग मैच कराने के लिए ये नोट व सैंपल एक्सपर्ट को भेजे हैं। क्राइम ब्रांच की टीम रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है। कानपुर के अशोक नगर में मसाला कारोबारी सूर्यांश खरबंदा की पत्नी आंचल खरबंदा की मौत के मामले में क्राइम ब्रांच की तफ्तीश में भी खुदकुशी की पुष्टि हुई है। हत्या के साक्ष्य नहीं मिले हैं। इसलिए विवेचना दहेज हत्या की धारा में ही चलेगी। डीसीपी क्राइम सलमान ताज पाटिल के नेतृत्व में टीम ने जांच शुरू की। क्राइम सीन भी दोहराया। फोरेंसिक जांच भी दोबारा कराई। फोरेंसिक की रिपोर्ट वही रही जो पहले पुलिस को सौंपी गई थी। जिसमें आंचल के खुदकुशी करने की पुष्टि हुई थी। तमाम वैज्ञानिक तथ्य भी फोरेंसिक टीम ने रिपोर्ट में दर्ज किए हैं। डीसीपी क्राइम का कहना है कि तथ्यों के आधार पर केस की विवेचना दहेज हत्या में चलेगी।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को मकर संक्रांति व खिचड़ी पर्व की दी बधाई

सीतापुर। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने जनपदवासियों को मकर संक्रांति और खिचडी पर्व पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अपील की है कि कोविड संक्रमण की वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत विशेष सावधानी और सतर्कता बरतना आवश्यक है। इसलिए मकर संक्रांति के आयोजनों में कोविड वैक्सीनेशन की डबल डोज प्राप्त किये हुए व्यक्ति ही सम्मिलित हों एवं कोविड प्रोटोकॉल का पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित करें। ओमिक्रान वैरिएन्ट के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए संक्रमण दर को नियंत्रण करने हेतु विभिन्न स्थलों पर विशेष सावधानी एवं सतर्कता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोविड के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए उसे बढने से रोकने के लिए कोविड नियमों का यथा सोशल डिस्टेन्सिंग मास्क का उपयोग तथा सेनेटाइजर का प्रयोग की अनिवार्यता का कड़ाई से अनुपालन किया जाये। उन्होंने आम जनमानस से अपील करते हुए अवगत कराया है कि मकर संक्रान्ति स्नान में उन्हीं व्यक्तियों को अनुमति दी जायेगी। जिन्होंने कोविड वैक्सीन की दोनों डोज ले ली हो। विभिन्न बीमारियों से ग्रसित कोमारबिड व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक, गर्भवती महिलायें बच्चे तथा ऐसे व्यक्ति जिनमें कोविड के लक्षण जैसे खाँसी, जुखाम, बुखार इत्यादि हैं से अनुरोध है कि मेला स्नान वाली जगह पर न जाये। इसके साथ ही आम जनमानस अपील है कि मास्क लगाये भीड़ एकत्रित न करें एवं कोविड गाइडलाइन्स का अनुपालन करें। जिलाधिकारी श्री भारद्वाज ने बताया कि शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में जनपद में जहाँ मकर संक्रान्ति का स्नान होना है व मेला लगना है। वहाँ थर्मल स्क्रीनिंग की व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। यदि कोई व्यक्ति सर्दी, खासी, जुखाम तथा बुखार आदि के लक्षण से ग्रसित हो तो उन्हें मेले स्नान में भाग न लेने के लिए अनुरोध के साथ तत्काल उनका आरटीपीसीआर, ट्रनाट एण्टीजन टेस्ट की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाएगी। इसके अतिरिक्त वहां स्वास्थ्य विभाग के साथ डाक्टर्स की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिससे आवश्यकतानुसार चिकित्सकीय सुविधा तत्काल उपलब्ध करायी जा सके। मेले स्नान के स्थान पर समुचित साफ . सफाई एवं सेनेटाइजेशन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु भी निर्देश दिए गए हैं।

गौसेवा धाम और आरएसएस द्वारा मकर संक्रांति के पर्व पर कराए गए धार्मिक आयोजन

फिरोजाबाद। नगर क्षेत्रों के साथ देहातों में भी मकर संक्रांति पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह घरों में महिलाओं– पुरुशों ने विधि विधान से पूजन किया। इसके बाद लोगों ने साधु संतों, गरीब एवं असहायों को दिल खोलकर दान दिया। जगह–जगह भंडारे एवं खिचड़ी भोज का आयोजन हुआ। पटीकरा के गौ सेवा षक्ति धाम में संत भंडारे का भी आयोजन हुआ। इस दौरान संत महात्माओं को कंबल का भी वितरण किया गया। जसराना के गौ सेवा षक्तिधाम पटीकरा में आयोजित मकर संक्रांति कार्यक्रम की षुरुआत हवन पूजन से हुई। संत संगति को संबोधित करते हुए आश्रम के संचालक पुरुशोत्तम दास महाराज ने कहा कि मकर संक्रांति हमें सामाजिक समरसता का संदेष देती है। वहीं घरों में भी मकर संक्रांति का पर्व के मौके पर खिचडी भोज एवं पूजा अर्चना हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में भी मकर संक्रांति का पर्व मनाया। इस दौरान लोगों ने दान कर पुण्य अर्जित किया। वही राश्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 6 उत्सवों में एक उत्सव मकरसंक्रांति खिचड़ी भोज कार्य(म गाँव घाघऊ कला जमालीपुर मण्डल जसराना में हुआ। इस अवसर पर नगर व खंड प्रचारक षिवम कुमार, खण्ड संचालक बृजेष षर्मा, जिला कार्यवाह अमित, सह जिला गौसेवा ओम, मण्डल कार्यवाह प्रदीप,अभय चौहान, लालू चौहान,अमन, षिवा चौहान, ऋशव धाकरे, आषीश चौहान, अतुल, पंकज चौहान, दीपक चौहान, प्रसांत आदि लोग उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः– राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

फूड स्टीमर को साफ करने के लिए अपनाएं यह आसान तरीका

फूड स्टीमर एक बेहतरीन किचन अप्लाइंस है, जिसकी मदद से व्यंजनों को भाप में पकाना आसान हो जाता है। हालांकि, जब बात फूड स्टीमर की सफाई की आती है तो कई लोग इसे साधारण बर्तनों की तरह साफ कर लेते हैं, लेकिन ऐसा करने से फूड स्टीमर खराब हो सकता है। अगर आपके पास भी फूड स्टीमर है तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि फूड स्टीमर को कैसे साफ करना चाहिए।

स्टेप–1

पहले फूड स्टीमर को करें खालीः अगर आपने फूड स्टीमर में सब्जियों या फिर किसी तरह के व्यंजन को बनाया है तो इन चीजों को सबसे पहले स्टीमर से निकालकर एक प्लेट में डालें। इसके बाद फूड स्टीमर के नीचे वाले हिस्से में मौजूद पानी को भी सिंक में फेंक दें। अगर आपका फूड स्टीमर इलेक्ट्रिक है तो उसकी सफाई करने से पहले उसे पावर सोर्स से अनप्लग करें और स्टीमर को पूरी तरह से ठंडा होने दें।

स्टेप–2

साबुन के गर्म पानी का करें इस्तेमालः फूड स्टीमर की सफाई करने के लिए आप साबुन के गर्म पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहले फूड स्टीमर की सभी बास्केट को निकालें और इसे साबुन के गर्म पानी की मदद से साफ करें। अगर फूड स्टीमर के किसी हिस्से पर काफी चिकनाहट जम गई है तो उसे साफ करने से पहले दस मिनट के लिए साबुन के गर्म पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद उसे स्पंज से हल्के हाथों से रगड़कर साफ करें।

स्टेप–3

टूथपिक और माइक्रोफाइबर कपड़ा आएगा कामः अगर फूड स्टीमर की छेद वाली बास्केट में खाना फंसा हुआ है तो उसे निकालने के लिए आप टूथपिक का इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं, फूड स्टीमर के बाहरी और बाकी हिस्सों को साफ करने के लिए आप माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहले एक माइक्रोफाइबर कपड़े पर थोड़ा डिशवॉश लिक्विड लगाएं, फिर इससे पूरे फूड स्टीमर को साफ करें। अंत में एक अलग माइक्रोफाइबर से फूड स्टीमर को पोंछे।

महत्वपूर्ण टिप्स

इन टिप्स का भी रखें ध्यानः फूड स्टीमर को चलते पानी के नीचे रखकर कभी साफ न करें क्योंकि इससे इसके हीटिंग एलिमेंट को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं, जब आप फूड स्टीमर में कुछ भी पकाएं तो इसके तुरंत बाद इसे साफ कर दें क्योंकि अगर आप देर करेंगे तो इसमें स्टीम की गई सामग्री के बचे हुए अवशेष सूख जाएंगे, फिर फूड स्टीमर को साफ करने में दिक्कत आएगी। समय–समय पर फूड स्टीमर की बाहरी सफाई पर भी ध्यान दें।

दुलकर सलमान ने हे सिनामिका का रैप गाना सिर्फ 90 मिनट में किया रिकॉर्ड

अपनी आने वाली तमिल फिल्म हे सिनामिका के लिए अचममिल्लई गाना गा चुके अभिनेता दुलकर सलमान ने सिर्फ

डेढ़ घंटे में रैप नंबर रिकॉर्ड किया है। गीत गाने से पहले, दुलकर ने गीतकार माधन कार्की के साथ अपना तमिल उच्चारण सही किया, जिसके बाद रिकॉर्डिंग की। रिकॉर्डिंग के बारे में बात करते हुए, नवोदित निर्देशक बृंदा मास्टर ने कहा कि मैं शुरू से ही स्पष्ट था कि मैं चाहता था कि दुलकर इस गीत को गाए। लेकिन हमारे संगीतकार गोविंद वसंता और मैं भी थोड़ा आशंकित थे क्योंकि दुलकर, ने पहले कभी तमिल में नहीं गाया था। लेकिन जब हमने दुलकर को सुझाव दिया कि उन्हें यह गाना गाना चाहिए, तो वह तुरंत सहमत हो गए। गाने के लिए एक स्वैग और रवैया की आवश्यकता थी, जिसे केवल पेशेवर रैपर ही निकाल सकते थे, लेकिन दुलकर आसानी से ऐसा करने में कामयाब रहे। दुलकर ने इस गाने को पूरे उत्साह के साथ गाया है। सभी दुलकर प्रशंसकों के लिए निर्माताओं ने शुक्रवार को गाने का गीतात्मक वीडियो जारी करने का फैसला किया। हे सिनामिका कोरियोग्राफर बृंदा मास्टर के निर्देशन में पहली फिल्म है और इसमें दुलकर सलमान, अदिति राव हैदरी और काजल अग्रवाल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 25 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एकता कपूर के शो नागिन 6 में तेजस्वी प्रकाश को लाने की तैयारी

बिग बॉस 15 में एंट्री करने के बाद अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश की लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। उन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। यही वजह है कि वह बिग बॉस के घर में अब तक टिकी हुई हैं। खबर है कि धारावाहिक नागिन 6 में तेजस्वी को लाने की तैयारी हो रही है। अब अगर आप चुलबुली तेजस्वी के फैन हैं तो इस खबर से आपके चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, एकता कपूर के शो नागिन 6 के लिए तेजस्वी से संपर्क किया गया है। शो से जुड़े सूत्र ने बताया, हम तेजस्वी को नागिन 6 में लेने को उत्साहित हैं। वह शो के टॉप दावेदारों में से हैं। इसके जरिए उन्होंने घर–घर में अपनी पहचान बनाई है। सूत्र ने कहा, हम बिग बॉस 15 के खत्म होने और उनके बाहर आने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि हम उनके साथ ऑफर पर चर्चा कर सकें। नागिन 6 में अभिनेत्री रिद्धिमा पंडित और महक चहल की कास्टिंग पहले ही हो चुकी है। अब तेजस्वी इस शो का हिस्सा बनती हैं या नहीं, यह तो वक्त ही बताएगा। वैसे देखा जाए तो इस सुपरनैचुरल थ्रिलर शो का हिस्सा बनना उनके लिए बड़ा गेमचेंजर साबित होगा। एकता की नागिन फ्रैंचाइजी को काफी पसंद किया जाता है। टीवी जगत की कई बड़ी अभिनेत्रियां इसमें काम करने को लेकर दिलचस्पी जाहिर कर चुकी हैं। नागिन 6 से कई अभिनेत्रियों का नाम जुड़ चुका है। सबसे पहले इससे रुबीना दिलैक का नाम जुड़ा था, जो बिग बॉस 14 की विजेता रह चुकी हैं। इसके बाद कहा गया कि बिग बॉस 13 की प्रतियोगी रहीं शहनाज गिल नागिन 6 का हिस्सा बनेंगी, लेकिन अब तेजस्वी को शो की नागिन के रूप में देखा जा रहा है। मौनी रॉय, सुरभि ज्योति, निया शर्मा और सुरभि चंदना नागिन सीरीज में यह किरदार निभाकर लोकप्रिय हो चुकी हैं। तेजस्वी को धारावाहिक स्वरागिनी से लोकप्रियता मिली थी। इसके बाद वह पहरेदार पिया की, रिश्ता लिखेंगे हम नया, पौराणिक ध ारावाहिक कर्णसंगिनी और खतरों के खिलाड़ी 10 का हिस्सा भी रह चुकी हैं। बिग बॉस में भी तेजस्वी का गेम दर्शकों को पसंद आ रहा है। टीवी की दुनिया में नागिन एक अलग ही कहानी लेकर आया है। यह शो इतना लोकप्रिय हुआ कि इसके पांच सीजन आ चुके हैं। घर, गृहस्थी, कॉमेडी और लव स्टोरी के बाद एकता एक अलग ही कहानी सामने लेकर आईं और दर्शकों को उनका यह प्रयोग काफी अच्छा लगा। नागिन के पहले सीजन में मौनी रॉय ने अहम भूमिका निभाई थी। प्रेम, दुश्मनी और बदले की कहानी के साथ नागिन 5 ने भी दर्शकों को खूब लुभाया।

अक्षय कुमार और इमरान हाशमी ने नई फिल्म सेल्फी का किया ऐलान

अक्षय कुमार और इमरान हाशमी ड्राइविंग लाइसेंस की हिन्दी रीमेक को लेकर दर्शकों की जुबां पर हैं। हाल में ऐसी खबरें आई थीं कि इस फिल्म की हिन्दी रीमेक का शीर्षक सेल्फी होगा। अब मेकर्स ने इस खबर पर अपनी मुहर लगा दी है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी करते हुए दिलचस्प अंदाज में फिल्म की घोषणा की है। फिल्म का निर्देशन राज मेहता कर रहे हैं।

अक्षय ने ट्विटर पर फिल्म का टीजर शेयर किया है। इसमें अक्षय का मस्तमौला अंदाज सामने आया है। वह पियानो बजाते हुए नजर आए हैं। काले लिबाज में ठुमका लगाते अक्षय क्या खूब जंच रहे हैं। इसमें दिखाया गया है कि कैसे कुछ फैंस उनके साथ सेल्फी लेने की बात कहते हैं। अक्षय ने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, पेश है सेल्फी। एक ऐसा सफर जो आपको भरपूर मनोरंजन, हंसी और भावनाओं की ओर ले जाएगा। जल्द शुरू होगी शूटिंग।

फिल्म के दूसरे अहम कलाकार इमरान ने भी टीजर शेयर किया है। उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, अक्षय के साथ ड्राइविंग सीट साझा करके बेहद विनम्र और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। अपना पोज दें क्योंकि सेल्फी जल्द ही आपके पास आ रही है। अक्षय और इमरान को पर्दे पर एक साथ देखना काफी रोचक होगा। करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस फिल्म का निर्माण कर रही है। साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म को प्रोड्यूस करने में सहयोग करेंगे।

ड्राइविंग लाइसेंस एक मलायलम फिल्म है, जिसमें पृथ्वीराज ने लीड रोल निभाया था। सूत्र ने बताया था, फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस की अवध ारणा एक पुलिस वाले और एक सुपरस्टार के इर्दगिर्द घूमती है। इसमें एक पुलिस वाला उस सुपरस्टार का बहुत बड़ा प्रशंसक होता है। संघर्ष तब बढ़ जाता है, जब सुपरस्टार पुलिस वाले के साथ दुर्व्यवहार करता है। वह उसे और उसके परिवार वालों को एक सेल्फी देने से मना कर देता है।

ड्राइविंग लाइसेंस 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। ऑरिजनल फिल्म में पृथ्वीराज ने एक फिल्म सुपरस्टार की भूमिका निभाई, जबकि सूरज वेंजारामूडु ने एक मोटर इंस्पेक्टर का किरदार अदा किया था। एक गलतफहमी की वजह से दोनों एक–दूसरे के साथ भिड़ जाते हैं और दोनों एक–दूसरे के जीवन को तबाह करने की कोशिश करते हैं। अक्षय पृथ्वीराज द्वारा निभाई गई भूमिका में दिखेंगे। वहीं, इमरान सूरज की भूमिका में नजर आने वाले हैं। अक्षय फिल्म पृथ्वीराज में मुख्य भूमिका में हैं। उन्हें फिल्म राम सेतु में जैकलीन फर्नांडिस व नुसरत भरूचा के साथ देखा जाएगा। वह बच्चन पांडे और रक्षाबंधन में भी दिखने वाले हैं। फिल्म ओह माय गॉड 2 भी अक्षय के खाते से जुड़ी है। इमरान गंगूबाई काठियावाड़ी में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। इमरान फादर्स डे में भी दिखेंगे। इसका निर्देशन शांतनु बागची करने वाली हैं।

जॉगिंग की शुरूआत करने वाले हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

जॉगिंग एक तरह की एक्सरसाइज है, जिसमें व्यक्ति को धीमी गति में दौडना होता है। इस एक्सरसाइज को रोजाना करने से आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि इसका तरीका सही होना चाहिए। ब ता दें कि जॉगिंग की शुरूआत करने के लिए पहले शरीर को इसके लिए तैयार कर लेना चाहिए। अगर आप जॉगिंग को अपने रूटीन में शामिल करने की सोच रहे हैं तो उससे पहले इन बातों पर विशेष ध्यान दें। जॉगिंग के लिए कर लें पूरी तैयारीः अगर आप यह चाहते हैं कि जॉगिंग से आपको भरपूर फायदे मिले तो इसके लिए बेहतर तैयारी होनी बहुत जरूरी है। उदाहरण के लिए जॉगिंग के लिए साफ पार्क को चुनें और ऐसे कपड़े पहनें, जो कि थोड़े ढीले और आरामदायक हो जैसे ट्रेक सूट। वहीं, जॉगिंग के लिए सही रनिंग शूज का चयन करना भी जरूरी है क्योंकि गलत जूतों को पहनकर दौडने से चोट या फिर दर्द की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जॉगिंग शुरू करने से पहले करें वार्मअपः भले ही एक्सरसाइज कितनी भी सरल क्यूं न हो, उससे पहले कुछ मिनट वार्मअप करना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे न सिर्फ मांसपेशियां खुलती हैं, बल्कि शरीर भी काफी लचीला हो जाता है। आप चाहें वार्मअप के तौर पर स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज या फिर रस्सा कूदना जैसी एरोबिक्स एक्सरसाइज को कर सकते हैं। जॉगिंग से पहले 10 से 15 मिनट के लिए वार्मअप करें, फिर कुछ मिनट पैदल चलने के बाद जॉगिंग करना शुरू कर दें। पॉश्चर को ठीक रखेंः अगर आप जॉगिंग के दौरान अपनी गर्दन और कंधों को झुकाकर रखते हैं तो यह एक बहुत बड़ी गलती साबित हो सकती है क्योंकि इसका प्रभाव रीढ़ और गर्दन की हड्डी पर पड़ता है, जिससे शरीर दर्द भी करने लगता है। इसलिए अगर आप नियमित तौर पर जॉगिंग का फायदा चाहते हैं तो अपने शरीर को एकदम सीधा रखकर ही धीमी गति से दौडने की कोशिश करें ताकि आपको किसी भी तरह की समस्या का सामना ही न करना पड़े। अधि ाक जॉगिंग करने से बचेंः किसी भी चीज की अति नुकसान का कारण बन सकती है और ऐसा ही कुछ जरूरत से ज्यादा जॉगिंग करने से भी हो सकता है। दरअसल, अधिक जॉगिंग करने से पैरों में दर्द के साथ रीढ़ की हड्डी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, फिर चाहें आपने किसी भी वजह से जॉगिंग को अपने रूटीन में शामिल किया हो। बेहतर रहेगा कि लोग रोजाना ज्यादा से ज्यादा 30 मिनट तक ही जॉगिंग करें।